सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 294 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 07 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मासूम से रेप : साइकिल सिखाने के बहाने जंगल ले गया युवक, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक पांच साल की मासूम बच्ची के साथ रेप करने का मामला सामने आया है। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार सीपत थाना क्षेत्र की रहने वाली पांच साल की बच्ची बुधवार की सुबह अपने घर के पास मोहल्ले में खेल रही थी। उसी समय दीपक पटेल (30) वहां से गुजर रहा था। उसने बच्ची को साइकिल सिखाने का झांसा दिया, जिसके बाद अपने साथ रेलहा जंगल की तरफ ले गया। दोपहर तक बच्ची घर नहीं पहुंची, तब परेशान परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान लोगों से पूछताछ में पता चला कि बच्ची को दीपक पटेल के साथ जाते देखा गया है। रास्ते में दीपक को पकड़ लिया। जब मां ने अपनी बच्ची से पूछताछ की, तब पता चला कि दीपक उसे साइकिल सिखाने के बहाने ले गया गंदा काम किया। इसके बाद आरोपी दीपक को ले जाकर पुलिस को सौंप दिया। इस मामले में बच्ची की तरफ से उसकी मां ने थाने में शिकायत की, जिस पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण कराने पर होगी कठोर कार्रवाई - गृहमंत्री शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण रोकने के लिए बनाया गया छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम-2026 राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही पूरे प्रदेश में लागू हो गया है। राज्य सरकार ने इसके तहत कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया और नियम भी जारी कर दिए हैं। अब अवैध धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में शिकायत, जांच, अनुमति और कार्रवाई किस तरह होगी, यह स्पष्ट कर दिया गया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि 4 अगस्त को अधिनियम के नियमों की अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित हो चुकी है। इसके साथ ही यह कानून पूरे प्रदेश में प्रभावी हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना और अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाना है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अब जो लोग अवैध धर्म परिवर्तन कराने या इसके लिए काम करने में शामिल होंगे, उनके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

10 अगस्त को होगी झीरम घाटी हमले पर अंतिम बहस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में हुए झीरम घाटी नक्सली हमले से जुड़े मामले की सुनवाई अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। 11 आरोपियों के खिलाफ चल रहे ट्रायल में अभियोजन पक्ष अपने दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत कर चुका है। अब 10 अगस्त को अंतिम बहस होगी, जिसके बाद विशेष एनआईए अदालत फैसला सुरक्षित रख सकती है। मामले में एक आरोपी की ट्रायल के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि शेष 10 आरोपियों पर सुनवाई जारी है। झीरम घाटी हमले के इस मामले में अभियोजन पक्ष ने अदालत के सामने 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए हैं। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य भी पेश किए गए हैं।

कौशल विकास के दम पर रेणुका गोस्वामी ने पाई सफलता, राष्ट्रपति भवन से मिला निमंत्रण

स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगी शामिल, डिप्टी सीएम ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धमतरी जिले के ग्राम नवागांव की बेटी रेणुका गोस्वामी को आगामी 15 अगस्त के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आमंत्रण मिला। रेणुका गोस्वामी ने कौशल विकास के सफलता पाई। उनकी सफलता को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है और नई दिल्ली में होने वाले स्वचतंत्रता दिवस समारोह में वे शामिल होंगी। उनकी उपलब्धि के लिए उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

रेणुका गोस्वामी धमतरी जिले के ग्राम नवागांव की निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इसके बाद रेनुका ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत की। निरंतर मेहनत, कौशल और लगन के बल पर उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य करते हुए अपनी पहचान बनाई। वर्तमान में वे रायपुर के एक प्राइवेट फर्म में एचआर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि रेणुका गोस्वामी ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जीवन को नई दिशा दी और आज वे अपने परिश्रम एवं प्रतिभा के बल पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। उनका राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल रेणुका गोस्वामी की मेहनत और प्रतिभा का गौरव है, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेटियों, ग्रामीण युवाओं और कौशल विकास की सफलता का भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है।

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम में छत्तीसगढ़ की दो खिलाड़ियों का चयन, चीन में दिखाएंगी दम

कांसाबेल की मधु सिदार और बोड़ला की गीता यादव के खेल कौशल को सम्मान

■ **डिप्टी सीएम अरुण साव ने दोनों खिलाड़ियों को दी बधाई, वीडियो-कॉल पर ली जानकारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए खेल जगत से आज एक और बड़ी खुशखबरी आई है। बिलासपुर के खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफएक्सीलेंस की दो खिलाड़ियों गीता यादव और मधु सिदार का चयन भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। ये दोनों चीन के मोकी में आगामी 30 अगस्त से 13 सितम्बर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा और दम दिखाएंगी।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने गीता यादव और मधु सिदार से वीडियो-कॉल पर बात कर भारतीय टीम में चयन पर बधाई दी। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को जूनियर एशिया कप हॉकी में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामना देते हुए उनकी तैयारियों की भी जानकारी ली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के

सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनुजा सलाम ने भी दोनों खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। भारतीय जूनियर हॉकी टीम में चयनित ये दोनों ही खिलाड़ी प्रदेश की पहली आवासीय खेल अकादमी में वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो एवं मुख्य प्रशिक्षक अजीत लकड़ा से हॉकी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

ऐसा रहा दोनों का सफर

मधु सिदार : मधु सिदारजशपुर जिले के कांसाबेल के छोटे से गांव पोंगरो की रहने वाली है। उनके माता-पिता कृषक हैं। वह सब-जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप 2024-25, स्कूल नेशनल 2024-25 तथा हरियाणा में सब-जूनियर इंटर जोन चैम्पियनशिप-2025 में भागीदारी कर चुकी हैं। वह अप्रैल-2026 से भारतीय टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

गीता यादव : कबीरधाम के बोड़ला की गीता यादव ने हॉकी का प्रशिक्षण शिवा चौहान से लिया। गीता का अंतरराष्ट्रीय करियर वर्ष-2024 में प्रारंभ हुआ। 12 नवम्बर से 21 नवम्बर 2024 तक नीदरलैण्ड और बेल्जियम टूर में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उसके बाद 15 मई से 2 जून 2025 तक अर्जेंटीना टूर और 5 जुलाई से 14 जुलाई 2026 तक इंग्लैण्ड और स्कॉटलैण्ड टूर में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

बोफोर्स घोटाले की फाइल बंद, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की आखिरी अपील

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है।

मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता (अधिवक्ता अजय के. अग्रवाल) की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में अपील की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया था। 1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा।

क्या है पूरा मामला और इसका इतिहास?

यह पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है, जिसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया।

दुर्ग के फिल्टर प्लांट में लगी आग, कड़ी मशक्कत के बाद फायर टीम ने पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बीते शाम दुर्ग में साइंस कॉलेज के पास स्थित फिल्टर प्लांट में आग लगने से हड़कंप मच गया। जिस जगह पर आग लगी थी, उसके पास ब्लीचिंग पाउडर की बोरियां होने से आग बुझाने में काफी दिक्कत हुई। भारी मशक्कत के बाद जिला अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की टीम ने एक गाड़ी पानी की मदद से आग पर काबू पाया।

दुर्ग में स्थित फिल्टर प्लांट पर अचानक आग लगने से तत्काल सूचक द्वारा अग्निशमन कार्यालय दुर्ग को सूचना दिया गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन के एक दमकल टीम को मौके पर तत्काल रवाना किया गया। अग्निशमन कर्मियों द्वारा आगजनी स्थान पहुंचने पर यह देखा गया कि आग फिल्टर प्लांट के अंदर आग की लपटें पहुंचने लगी हुई थीं। जिस पर अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत हरकत में आकर बड़े बहादुरी से फिल्टर प्लांट के अंदर घुसकर आग पर बड़े

मशक्कत से काबू पाया। जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। फिलहाल आग लगने का कारण अज्ञात माना जा रहा है। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी दिनेश कुमार राउटे, सहायक अग्निशमन प्रभारी प्रवीण बारा, दल प्रभारी भगवती बंजारे, अग्निशमन कर्मचारी उमाशंकर यादव, कुलेश्वर सिंह, शैलेन्द्र देशमुख , नितिन रामटेके द्वारा एक अच्छी टीम बनाकर घटना स्थान पर समय पर पहुंच कर बड़ी घटना होने से संभाल लिया एवं स्पॉट पर किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ में कल से थमेगी बारिश की रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की सक्रियता फिलहाल बनी हुई है। बीते 24 घंटे में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हुई, जबकि उत्तरी जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। हालांकि 8 अगस्त से बारिश की तीव्रता घटने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने का अनुमान जताया है। इस दौरान उत्तर छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 8 अगस्त से मानसूनी गतिविधियों में कमी आने के संकेत हैं। प्रदेश में अब तक मानसून से होने वाली बारिश सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम दर्ज की गई है।

सड़क हादसे के बाद पटना में बवाल, उग्र भीड़ ने पुलिस की तीन गाड़ियां फूंकी

पटना। पटना के जीरो माइल इलाके में शुक्रवार को सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित भीड़ ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और इस दौरान हिंसक प्रदर्शन करते हुए पुलिस की तीन वाहनों में आग लगा दी। घटना की

सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया और सड़क से शव हटाकर यातायात बहाल कराया गया।

पटना सिटी के एसडीएम सत्यम सहाय ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। इसके बाद मृतक के शव को सड़क पर रखकर जाम लगाया गया और इसी दौरान हिंसा की घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। एसडीएम ने बताया कि अब शव को सड़क से हटा दिया गया है और यातायात सामान्य कर दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिम्स में पहली बार 78 वर्षीय महिला के अंडाशय कैंसर की सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने एक अत्यंत जटिल और उच्च जोखिम वाली सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। सिम्स के डॉक्टरों ने दर्रीघाट (बिलासपुर) निवासी 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला के बाएं अंडाशय से लगभग 1 किलोग्राम वजन का कैंसरयुक्त ट्यूमर सुरक्षित बाहर निकालकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया है।

निजी अस्पताल ने बताया था 3 लाख का खर्च, आयुष्मान योजना से मुफ्त हुआ इलाज, मरीज पिछले 5-6 महीनों से पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द और तेजी से बढ़ रही गांठ से पीड़ित थीं। परिजन

पहले उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए थे, जहां जांच के बाद ऑपरेशन व इलाज के लिए 2 से 3 लाख रुपये का खर्च बताया गया। आर्थिक तंगी के कारण परिवार चिंतित था। इसके बाद मरीज को सिम्स, बिलासपुर में भर्ती कराया गया, जहां आयुष्मान भारत योजना के तहत उनका पूरा इलाज और जटिल ऑपरेशन बिल्कुल मुफ्त किया गया।

विधायक व पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने आनंद निषाद को दी जन्मदिन की बधाई

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आंनद निषाद को उनके जन्म दिन पर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आनंद निषाद को विधायक मूणत से आत्मीय भेंट व उनका स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

इस भेंट के बाद आनंद निषाद ने कहा कि आदरणीय राजेश मूणत जी का स्नेह, शुभकामनाएँ एवं मार्गदर्शन मेरे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। मैं उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ तथा ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा की कामना करता हूं।

एसआई भर्ती परीक्षा : सीजीपीएससी ने कहा- सोशल मीडिया पर नामों को लेकर फैलाई जा रही अफवाहें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा गृह (पुलिस) विभाग के अंतर्गत आयोजित सूबेदार, उप-निरीक्षक संवर्ग और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2024 के प्रारंभिक लिखित परीक्षा परिणाम 04 अगस्त 2026 को घोषित किए गए। परिणाम जारी होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों के नामों को लेकर भ्रामक व तथ्यहीन जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (रील्स और शॉर्ट्स वीडियो) पर कुछ अभ्यर्थियों के नामों को लेकर उनका उपहास उड़ाया जा रहा है और परीक्षा

परिणाम की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने सोशल मीडिया पर चल रही इन रील्स और वीडियो में प्रदर्शित दावों का सख्ती से खंडन किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा परिणाम में अभ्यर्थियों के वही नाम प्रदर्शित किए गए हैं, जो उन्होंने स्वयं अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में दर्ज कर अंतिम रूप से सबमिट किए थे। इन्हीं नामों के आधार पर अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ सत्यापन और लिखित परीक्षा संपन्न हुई थी।

अभ्यर्थियों के प्रवेश-पत्र में भी यही नाम थे अंकित

अभ्यर्थियों के प्रवेश-पत्र में भी यही नाम अंकित थे। इन्हीं नामों के आधार पर अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ सत्यापन किया गया। अवर सचिव छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने सभी अभ्यर्थियों और जनसामान्य से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही ऐसी किसी भी असत्य, भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी या अफ़वाहों पर विश्वास न करें। परीक्षा से जुड़ी किसी भी अधिकृत जानकारी के लिए केवल छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अंतिम विदाई देने भी न आई बेटियां

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये। हम सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सोनीपत की घटना पूरे समाज का सत्य है। यह महज एक घटना है। लेकिन मौजूदा समय के सत्य से अवगत कराती है कि समाज किस दिशा में जा रहा है। ऐसा नहीं है कि जिन बेटियों ने तमाम संसाधन व घर परिवार के होते हुए भी मां-बाप को वृद्धाश्रम जाने को बाध्य किया, वे अपने जीवन में ऐसी परिस्थितियों से दो-चार नहीं हो सकती। यह घटना सोशल मीडिया में इतनी वायरल हुई कि बेटियां शर्मसार जरूर हुई हैं। एक बेटी को तो समाज में मिट्टी पलीद होने से इतना झटका लगा कि दावा किया जा रहा है कि उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। निश्चित रूप से भारतीय जीवन-दर्शन कर्मफल के सिद्धांत का अनुसरण करता रहा है। अपने कृत्यों का फल हमें अवश्य भोगना पड़ता है। जो हम कर रहे हैं,आने वाली पीढ़ियां हमें वही लौटाएंगी। बहरहाल समाज में संवेदनाओं का क्षरण एक गंभीर चुनौती है। अभिभावकों, शिक्षकों और समाजविज्ञानियों को मंथन करना होगा कि हमारे शाश्वत जीवन मूल्य कैसे बचाए जाएं। आज वृद्धाश्रमों को लाचारी नहीं जीवंतता का प्रतीक बनाने की जरूरत है। जहां व्यक्ति अपनी जमापूंजी से अपने बुढ़ापे और अंतिम यात्रा की व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से अंतिम रूप दे सके।

> “ वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया।

हथकरघा: विकसित भारत के भविष्य की बुनाई

गिरिराज सिंह

किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता। उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहक के रूप में बदल सकने की क्षमता से गढ़ा जाता है। अब जबकि हमारा देश 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं। फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है। आगामी 7 अगस्त को जब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047' का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

रामचरितमानस में कहा गया है, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका॥ बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे॥ विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है। इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है। हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढ़ियों से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है। यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है। सबसे पहले कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार में भारतीय वस्त्रों के दबदबे वाली अठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक स्थापित किए। बंगाल के प्रसिद्ध मलमल के साथ-साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई। बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए। आज जब दुनिया प्रामाणिक, टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है। हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडिया' की पहचान बन सके।

हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है। इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले दशक में, सरकार ने 'कच्चा माल आपूर्ति योजना', 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है। आज 29 'बुनकर सेवा केन्द्र' प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके और विशेष प्रकार के अधिक मूल्य वाले हथकरघा उत्पाद बनाए जा सकें। ये पहलें हथकरघा को सिर्फ एक कल्याणकारी गतिविधि के तौर पर समर्थन देने से हटकर, इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी एवं रचनात्मक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में होने वाले एक बदलाव को दर्शाती हैं। आगामी 'राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रम' 500 जिलों में 1,800 क्लस्टरों को सुदृढ़ करेगा, 65 लाख बुनकरों व कारीगरों को लाभान्वित करेगा और 'हैंडमेड इन इंडिया' को एक वैश्विक ब्रांड के तौर पर स्थापित करेगा।

नवाचार हमेशा से भारत की हथकरघा से जुड़ी यात्रा का हिस्सा रहा है। महात्मा गांधी के अंबर चरखे ने सूत कातने के काम को आसान, तेज और अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया। इससे आत्मनिर्भरता का विजन आगे बढ़ा। हाल ही में, असम के मैना करघे और शिवसागर में विकसित चित्तरंजन हथकरघे ने यह दर्शाया है कि करघे के बेहतर डिजाइन से बुनाई का काम कैसे आसान और अधिक उत्पादक हो सकता है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) के साथ मिलकर बनाया गया 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हैंडलूम टेक्नोलॉजी' ऐसे करघे विकसित कर रहा है जो हल्के, मजबूत और उपयोग में आसान हैं। ये करघे शारीरिक मेहनत को कम करते हैं और उत्पादकता बढ़ाते हैं।

इसमें दिव्यांग लोगों के लिए भी सुविधाएं शामिल हैं। इस सेंटर के तहत, 'हैंडलूम 4.0' पहल उत्पादकता, गुणवत्ता और रखरखाव की निगरानी हेतु डिजिटल टूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करती है। इस पहल को अलग-अलग राज्यों में बड़े पैमाने पर कार्यान्वित करने से पहले 100 करघों पर प्रायोगिक परियोजना के तौर पर आजमाया जा रहा है। तकनीक को कारीगरों की जगह लेने के बजाय उनके सशक्तिकरण का जरिया बनना चाहिए। 'विजनएक्सट' जैसे प्लेटफॉर्म मांग का अनुमान लगाने, डिजाइन के रुझानों की पहचान करने, हथकरघे के असली उत्पादों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने और बुनकरों को सीधे दुनिया के बाजारों से जोड़ने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, प्रीमियम सिल्क, नेचुरल फाइबर, सस्टेनेबल फाइबर और इनोवेटिव ब्लेंड्स जैसे उत्पादों में विविधता लाकर अधिक मूल्य वाले उत्पाद बनाए जा सकते हैं और नए बाजारों तक पहुंचाए जा सकते हैं। बेहतर ब्रांडिंग, मूल्य वर्धन (वैल्यू एडिशन) और बाजार तक सीधी पहुंच के जरिए ये नवाचार बुनकरों की आय में काफी बढ़ोतरी कर सकते हैं। हमारा विजन हर बुनकर को सम्मानजनक और बेहतर आय कमाने में सक्षम बनाना है ताकि आने वाले वर्षों में वे 50,000 रुपये प्रति माह तक की कमाई अर्जित कर सकें।

हथकरघे का भविष्य बाजार के साथ-साथ सोच पर भी निर्भर करता है। हमारे बुनकर सिर्फ कामगार नहीं हैं। वे उद्यमी, नवोन्मेषक और मूल्य सृजित वाले हैं। उन्हें ब्रांड बनाने, मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने में मदद करके, हम हथकरघा को भारत के सबसे गतिशील रचनात्मक उद्योगों में से एक बना सकते हैं। भारत के युवाओं से भी एक आहवान है कि वे हथकरघे के अगले अध्याय को आकार देने के लिए विरासत एवं तकनीक, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को एक साथ जोड़ें।

इस राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, आइए हम अपने बुनकरों का सम्मान सिर्फ हमारी विरासत के संरक्षक के रूप में ही नहीं बल्कि भारत की प्रगति के शिल्पकारों के रूप में भी करें। साथ ही, हम हथकरघा को अपने रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनाएं।

हमारे द्वारा खरीदा और पहना गया हथकरघा का हर उत्पाद एक बुनकर की आजीविका को मजबूत करता है, सदियों पुरानी एक परंपरा को संजोता है और भारत की कहानी को दुनिया तक पहुंचाता है। हथकरघा को अपनाकर, हम न सिर्फ अपनी विरासत को ओढ़ते हैं बल्कि 'विकसित भारत' के भविष्य को बुनने में भी मदद करते हैं।

लेखक केन्द्रीय वस्त्र मंत्री हैं। ये उनके निजी विचार हैं।

बेहतर तैयारी ही जल निकासी संकट का समाधान

विवेक शर्मा

देश के अधिकतर शहरों में हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या आती है। जिसकी वजह अधिक मात्रा में बारिश होना नहीं, बल्कि नियोजन की खामियां हैं। दरअसल, शहरों का विस्तार हुआ लेकिन उनके अनुपात में जल निकासी के इंतजाम नहीं हुए। ऊपर से कुदरती जल स्रोतों व नालों पर अतिक्रमण हो गया। मानसून आते ही शहरों का जलमग्न होना अब एक आम बात हो गई है। यह केवल मौसम की चुनौती नहीं, बल्कि हमारे शहरी नियोजन की उस विफलता का परिणाम है, जिसमें कंक्रीट के जंगल तो खड़े कर दिए गए, लेकिन पानी की निकासी के प्राकृतिक रास्ते बंद कर दिए।

भारत में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव है। लेकिन हमारे आधुनिक शहरों में इसकी दस्तक अक्सर एक खौफनाक दु:स्वप्न में बदल जाती है। हर वर्ष की बरसात यह साफ कर देती है कि शहर आसमान से बरसने वाले पानी में नहीं, बल्कि अपनी योजनाओं की कमियों और प्रशासनिक विफलताओं में डूबते हैं। कुछ घंटों की तेज बरसात हमारे तथाकथित आधुनिक शहरी नियोजन की तमाम कमजोरियों को उजागर कर देती है। सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, यातायात थम जाता है, बाजारों में पानी भर जाता है और लोगों की दिनचर्या बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाती है। मौसम साफ होते ही नगर निगमों की समीक्षा बैठकों, दावों और आश्वासनों का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। फाइलें आगे बढ़ती हैं, बजट पास होते हैं, लेकिन अगले वर्ष फिर भयावह हालात सामने आते हैं। मूल सवाल यह नहीं कि वर्षा कितनी हुई, बल्कि यह कि हमारे 'स्मार्ट' होते शहर हर साल पानी के सामने इतने बेबस क्यों साबित होते हैं।

हर बरसात हमें एक बेहद असहज सच का आईना दिखाती है कि हमने शहरों का अंधाधुंध विस्तार तो किया, लेकिन उनकी बुनियादी क्षमता और जल निकासी अवसंरचना को उसी अनुपात में मजबूत नहीं किया। आबादी तेजी से बढ़ी, गगनचुंबी इमारतें खड़ी हुईं और सड़कें चौड़ी की गईं, लेकिन इस कंक्रीट के जंगल में वर्षा के पानी के लिए प्राकृतिक जगह लगातार सिकुड़ती गई। यही कारण है कि महज कुछ घंटों की बरसात पूरे शहरी ढांचे की नींव हिला देती है। यह केवल मौसम की अप्रत्याशित चुनौती नहीं, बल्कि हमारी अदूरदर्शी विकास नीति और शहरी नियोजन की भी कड़ी परीक्षा है, जिसमें हम लगातार विफल हो रहे हैं।

असल समस्या वर्षा नहीं, बल्कि हमारी विकास की मौजूदा सोच है। शहर जितनी बेतहाशा रफ्तार से फैले, उतनी तेजी से उनकी जल निकासी व्यवस्था (ड्रेनेज सिस्टम) को नहीं सुधारा गया। विकास और पर्यावरण के बीच का यही असंतुलन हर बरसात में सड़कों पर तैरता दिखाई देता है। नई पॉश कॉलोनियां बसती गईं, फ्लाईओवर और एक्सप्रेसवे बनते गए, लेकिन सदियों पुराने तालाब, जोहड़, झीलें और प्राकृतिक नाले लगातार अतिक्रमण का शिकार होकर सिमटते गए। पानी का अपना प्राकृतिक ढलान और प्रवाह होता है। जब विकास के नाम पर हमने उसका मार्ग अवरुद्ध कर दिया, तो उसने पक्की सड़कों को ही अपना नया रास्ता बना लिया। हमने कागजों पर शहरों का नक्शा तो बदल दिया, लेकिन पानी का मूल स्वभाव नहीं बदल सके। जहां कभी बड़े-बड़े तालाब और शहर का पानी बाहर ले जाने वाले प्राकृतिक नाले थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें और चमचमाती सड़कें खड़ी हैं। पानी अपनी पुरानी राह नहीं भूलता। हर वर्ष वह हमें कठोरता से याद दिलाता है कि प्रकृति के नियम इंसानों द्वारा बनाए गए मास्टर प्लान से नहीं बदलते। किसी भी आधुनिक शहर की असली ताकत केवल उसकी ऊंची इमारतों में नहीं, बल्कि उसकी सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था, हरित क्षेत्रों और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में निहित होती है। इन्हें नजरअंदाज करके किया गया विकास पहली ही तेज बरसात में अपनी कमजोरियां उजागर कर देता है। चिंताजनक है कि यह समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही है। तेजी से विकास की दौड़ में शामिल हो रहे छोटे और मध्यम शहर (टियर-2 और टियर-3) भी हर वर्ष इसी जलभराव से जूझ रहे हैं। मानसून से पहले नालों की सफाई (डिसिल्टिंग) के दावे पहली ही बरसात में पानी में बह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, पॉलीथीन व ठोस कचरे का नालों में बहाया जाना तथा अतिक्रमण निकासी प्रणाली को अवरुद्ध कर देते हैं। यह केवल प्रशासन की विफलता नहीं, बल्कि नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी का प्रश्न है।

इस कुप्रबंधन का सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक को उठाना पड़ता है। घंटों जाम में फंसा कर्मचारी, जलमग्न सड़कों के बीच अस्पताल पहुंचने के लिए संघर्षरत मरीज, प्रभावित छोटे व्यापारी और दिहाड़ी मजदूर, सभी इसकी भारी कीमत चुकाते हैं। अंडरपास में जलभराव से होने वाले हादसे आम हो गए हैं। इसके बाद डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए, यह केवल सड़क पर जमा पानी का मुद्दा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता का भी प्रश्न है।

जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और कठिन बना दिया है। अब कम समय में अत्यधिक वर्षा (क्लाउड बर्स्ट) की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश शहरों का ड्रेनेज ढांचा पुराने मानकों पर आधारित है और इस नए दबाव को झेलने में असमर्थ है। दुनिया के कई शहर अब वर्षा के पानी को बोझ नहीं, बल्कि संसाधन मानकर 'स्पंज सिटी' मॉडल अपना रहे हैं, जिसमें वर्षा के पानी को जमीन में समाने, संरक्षित करने और पुन: उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि जलभराव कम हो और भूजल भी रिचार्ज हो सके। भारतीय शहरों को भी यही दूरदर्शी दृष्टि अपनानी होगी।

भारत की खाद्य सुरक्षा के रचयिता: डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन

डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

सरकार का उच्चतम नेतृत्व यदि किसी वैज्ञानिक को शोध एवं अनुसंधान की पूरी स्वतंत्रता दे, देश की समस्याओं के समाधान के लिए उसके संकल्प पर विश्वास करे और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए, तो वह वैज्ञानिक अपनी पूरी ऊर्जा राष्ट्र के उत्थान में समर्पित कर सकता है। इस सत्य को साकार किया 1960 के दशक में किसानों के मसीहा बने कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन ने। हरित क्रांति के माध्यम से उन्होंने भारत को भुखमरी से बचाया और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। देश उनका सदैव ऋणी रहेगा।

1960 के दशक में बढ़ती जनसंख्या, सूखा और अकाल ने भारत की खाद्यान्न स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया था। 1965-66 के भीषण सूखे ने संकट को और गहरा कर दिया। पारंपरिक खेती पुराने बीजों, वर्षा पर निर्भरता और सीमित सिंचाई पर आधारित थी, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन बहुत कम रहता था। 1970 के दशक के आरंभ तक भारत अपने नागरिकों का पेट भरने के लिए विदेश से आयातित अनाज पर निर्भर था। अमेरिका से पीएल-480 योजना के तहत गेहूँ मँगाना पड़ता था। उस समय देश की सबसे बड़ी आवश्यकता थी—खाद्यान्न उत्पादन को कई गुना बढ़ाना। यदि ऐसा न होता, तो भूख और खाद्य असुरक्षा गंभीर संकट बन सकती थी।

इसी चुनौतीपूर्ण काल में डॉ. एम एस स्वामीनाथन ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने अमेरिका के कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग के सहयोग से भारत के वातावरण के अनुकूल उच्च उपज वाली गेहूँ की किस्में विकसित करने का कार्य शुरू किया। बोरलॉग से मैक्सिकन अर्ध-बौनी किस्में प्राप्त की गईं और भारत में उनकी व्यवहार्यता का परीक्षण किया गया। ये किस्में उच्च उपज देने वाली होने के साथ-साथ रोग-प्रतिरोधी भी साबित हुईं। स्वामीनाथन ने विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा के किसानों को इन किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि इन राज्यों में गेहूँ की खेती के लिए अनुकूल जलवायु थी।

1966 में उन्होंने भारतीय सरकार को मैक्सिको से 18,000 टन उच्च उपज वाले बीज खरीदने के लिए राजी किया। इन बीजों के आने के साथ ही भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ हुआ। परिणाम चमत्कारी रहे। मैक्सिकन गेहूँ की किस्में अपनाने वाले किसानों की पैदावार और मुनाफा तेजी से बढ़ा। भारत का गेहूँ उत्पादन 1964 में लगभग 12 मिलियन टन से बढ़कर 1970 में लगभग 20 मिलियन टन हो गया। इसके बाद सरकार ने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर घोषित कर दिया।

आधुनिक कृषि पद्धतियाँ—उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग, उन्नत सिंचाई तकनीकें तथा मशीनीकरण—इसके बाद देश के अधिकांश राज्यों में तेजी से अपनाई जाने लगीं। गेहूँ उत्पादन में सफलता ने चावल की खेती में भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। स्वामीनाथन ने चावल की कई उन्नत किस्में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे चावल उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारकर आत्मनिर्भर बनाया और खाद्य सुरक्षा को मजबूत नींव प्रदान की। सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य भंडारण व्यवस्था सुदृढ़ हुई। आज भारत विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है।

हरित क्रांति ने क्रांतिकारी बदलाव लाया, किंतु कई चुनौतियाँ भी खड़ी कीं। इसका लाभ मुख्यत: पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे सिंचित क्षेत्रों तक सीमित रहा। छोटे और सीमांत किसानों को अपेक्षाकृत कम लाभ मिला। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई, भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ, जैव विविधता घटी और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा। कृषि लागत भी बढ़ गई।

इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्वामीनाथन ने 'एवरग्रीन रिवोल्यूशन' (सदाबहार क्रांति) का विचार प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत कम पानी में अधिक उत्पादन, जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तथा छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। उद्देश्य था—प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को उनके अमूल्य योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया। भारत सरकार ने उन्हें 1967 में पद्म श्री, 1972 में पद्म भूषण तथा 1989 में पद्म विभूषण से विभूषित किया। 1971 में फिलीपींस की रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन द्वारा उन्हें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया। 1986 में विश्व सांस्कृतिक परिषद, मेक्सिको ने उन्हें अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया। 1987 में विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा उन्हें विश्व खाद्य पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2000 में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट ने शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया। अंतत: 2024 में भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया। 28 सितंबर 2023 को 98 वर्ष की आयु में चेन्नई स्थित अपने घर में वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जीवन और कार्य भारत की खाद्य सुरक्षा की कहानी का अभिन्न अंग हैं। उनके योगदान ने अनगिनत किसानों को गरीबी से बाहर निकाला और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। वे जीवन भर किसानों के अधिकारों के समर्थक और भूख के खिलाफ संघर्षरत रहे। उनका योगदान यह सवित करता है कि विज्ञान जब करुणा और राष्ट्रप्रेम से जुड़ता है, तो वह इतिहास रचता है।

जमीर भी बिकता है पेपर लीक के साथ

जिस दिन एक भी अभिभावक यह कह देगा—मेरा बेटा डॉक्टर नहीं बनेगा, कोई बात नहीं... लेकिन चोर बनकर डॉक्टर नहीं बनेगा। उस दिन आधे पेपर लीक करने वाले, आधे कोचिंग माफिया और आधे दलाल अपने-आप मर जाएंगे। हरियाणा में कहावत है—चोर तै बड्डा चोरी का माल खरीदणिया सै। इस हिसाब से तो पेपर खरीदने वाले कटघरे में खड़े होने चाहिए। पेपर बेचने वाला तो जेल जायेगा पर पेपर खरीदने वाला तो अपने छोरे-छोरी के डॉक्टर बनने की मिठाई बांटेगा। यह न्याय है या नौटंकी?

जिस समय एक पिता किसी दलाल से यह पूछता है कि पेपर कितने में मिलेगा तो बच्चा तो पास हो जायेगा पर बाप बुरी तरह फेल हो लिया समझो। जब किसी का बाप जुगाड़ से डॉक्टर बनाने की सोचेंगे तो रोना किस बात का? पेपर बेचने वालों को फांसी चढ़ा दो, वो भी कम है पर यह भी सोचो कि खरीदने वालों के गले में हार डलने चाहिए या हाथ में हथकड़ी। चोरी की भैंस दूध तो दे देगी पर नज़र मिलाने की हिम्मत नहीं देगी। दरअसल पेपर लीक होने से पहले ही कइयों के घर की नीयत लीक होने लगती है। दलाल ने तो सिर्फ प्रश्नपत्र बेचा होगा, पर हम सौदागरों ने तो ज़मीर देकर कीमत चुकाई होगी। जिस बाप ने पैसे देकर पेपर खरीदा, उसे अपने बच्चे की मेहनत पर नहीं, अपनी जेब पर भरोसा था। इसी भरोसे ने बेटे को सफेद कोट पहनाकर भ्रष्टाचार का स्टेथोस्कोप थमा दिया।

नीट का पेपर लीक हुआ। सड़कों पर गुस्सा था। टीवी स्टूडियो में बहस थी। सोशल मीडिया पर न्याय की मांग थी। मंत्री का इस्तीफा मांगा गया। सिस्टम को भ्रष्ट कहा गया। लोकतंत्र में यह एकदम ठीक है। जिसने नोटों के बदले अपने बच्चे के लिए प्रश्नपत्र खरीदा था। उसके दरवाजे पर कोई प्रदर्शन नहीं हुआ। उसके खिलाफ किसी ने एक नारा नहीं लगाया। हम बड़े आराम से कह देते हैं कि व्यवस्था भ्रष्ट है। लेकिन व्यवस्था आसमान से नहीं उतरती। वह हमारे ही घरों से निकलती है। रिश्वत लेने वाला भी किसी का बेटा है। पेपर बेचने वाला भी किसी का पिता है। और पेपर खरीदने वाला भी किसी का अभिभावक है। हर बार आईना केवल सरकार को दिखाने से काम नहीं चलेगा। एक आईना अपने घर में भी टांगना होगा।

जिस दिन डॉक्टर बनने वाले हमारे लाडले ने चोरी का प्रश्नपत्र खोला होगा, उसी दिन उसने अपनी पहली लाश देख ली होगी। वह उसके जमीर की लाश थी। जिस दिन एक भी अभिभावक यह कह देगा—मेरा बेटा डॉक्टर नहीं बनेगा, कोई बात नहीं... लेकिन चोर बनकर डॉक्टर नहीं बनेगा। उस दिन आधे पेपर लीक करने वाले, आधे कोचिंग माफिया और आधे दलाल अपने-आप मर जाएंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

श्री दक्षिणेश्वर धाम सेक्टर-6 में स्थापित सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन

भिलाई। सेक्टर-6 सी मार्केट स्थित शत्रुहन्ता श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर में स्थापित सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का विसर्जन किया गया। पं. अम्बरीश शुक्ला ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार, सावन मास में अपने हाथों से मिट्टी का शिवलिंग बनाकर पूजा करने से करोड़ों गुना अधिक पुण्य, अमोघ फल और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। पार्थिव शिवलिंग में पवित्र नदी, तालाब या बाग की शुद्ध मिट्टी ली जाती है जिसमें गाय का गोबर, शुद्ध जल, बेलपत्र, चंदन, भस्म, गुड़ और मक्खन मिलाया जाता है। शिवलिंग का आकार अंगूठे के माप या हथेली के आकार से बड़ा नहीं होना चाहिए।

जिले में अब तक 502.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 06 अगस्त 2026 तक 502.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 620.7 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 353.2 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 564.0 मिमी, तहसील बोरी में 561.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 517.1 मिमी और तहसील अहिवारा में 396.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 06 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 0.0 मिमी, तहसील धमधा में 7.1 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 0.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 0.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आंतरिक परिवाद : कामकाजी महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी कर सकते हैं प्रताड़ना के खिलाफ आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। महिला उत्पीड़न के शिकायतों के निराकरण करने बनी समिति में अब पुरूष भी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंच सकते है। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान बनाएं रखने के लिए आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर रिसाली निगम के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मेरी भागीदारी संस्था के निशा देशमुख व अमोल मालुसरे ने समिति के गठन से लेकर शिकायत कर्ताओं की शिकायतों के संबंध में विस्तार से बताया।

निशा देशमुख ने बताया कि समाज में महिला एवं पुरूषों की सहभागिता बराबर है। हर कार्य स्थल पर महिलाएं बराबर अधिकार के साथ कार्य कर रही

है। कई बार विषम परिस्थिति निर्मित होने पर महिलाएं शिकायत करने से डरती है। सम्मान में ठेस न पहुंचे इस बात का भय रहता है। उन्होंने उपस्थित महिला एवं पुरूष कर्मचारियों को जानकारी दी कि आंतरिक परिवाद समिति में आवेदन और कार्यवाही दोनो ही गोपनीय रहती है। इसलिए शिकायत के बाद परिचय या फिर नाम सार्वजनिक होने का सवाल ही नहीं रहता। उन्होंने कार्यशाला में यह भी खुलासा किया कि प्रताड़ना संबंधी शिकायत पुरूष भी कार्यालय में गठित आंतरिक परिवाद समिति में कर सकते है। कार्यकर्ता निशा देशमुख ने बताया कि दोष सिद्ध होने पर अनावेदक की नौकरी भी जा सकती है। समिति के पास पर्याप्त आधार होने पर नौकरी से बर्खाश्तगी, वेतन वृद्धी रोकने अथवा अन्य सजा की अनुशंसा कर सकती है।

आवाजाही सुचारू करने के लिए भिलाई नगर निगम की लगातार कार्रवाई

फुटपाथ पर अवैध कारोबार के खिलाफ निगम ने की कार्रवाई, डंप किया गया रेत भी किया जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और आम नागरिकों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से अवैध रूप से सड़क एवं फुटपाथ पर व्यापार करने वालों के खिलाफलगातार बेदखली अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा सड़क पर डंप किये गये बिल्डिंग मटेरियलों की भी जब्ती की जा रही है।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही कई स्थानों पर फुटपाथ और सड़क किनारे अवैध रूप से कपड़ों की दुकानें लगाकर व्यापार किया जा रहा था, जिससे सड़क बाधित होने के साथ-साथ राहगीरों और वाहन चालकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

इसी क्रम में गुरुवार को नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-3 राजस्व विभाग एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर व्यापार करने वालों के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की। अभियान के दौरान सड़क पर फैला सामान हटवाया गया तथा संबंधित व्यापारियों को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर दुकान नहीं लगाने की सख्त हिदायत दी गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़क एवं फुटपाथ पर अवैध रूप से व्यापार करने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है और आम नागरिकों को आवाजाही में कठिनाई होती है। इसलिए ऐसे अतिक्रमणों के विरुद्ध नियमित रूप से कार्रवाई जारी रहेगी। नगर पालिक निगम भिलाई ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय संचालित करें तथा सड़क एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। निगम ने यह भी चेतावनी दी है कि भविष्य में दोबारा सार्वजनिक मार्ग पर अवैध रूप से दुकान लगाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नंदिनी रोड पर अवैध रूप से सड़क घेरकर रखी रेत जब्त

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर में सड़क बाधित कर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण एवं नियम विरुद्ध व्यापार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर के राजस्व विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने नंदिनी रोड स्थित सीमेंट दुकान पर कार्रवाई की। निगम को प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच की गई, जिसमें दुकान संचालक द्वारा सड़क पर अवैध रूप से रेत रखकर यातायात में बाधा उत्पन्न करते हुए व्यापार किए जाने की पुष्टि हुई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने सड़क पर रखी रेत को जब्त कर हटाने की कार्रवाई की तथा संबंधित संचालक को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर निर्माण सामग्री रखकर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों एवं मार्गों पर निर्माण सामग्री, रेत, गिट्टी या अन्य सामान रखकर आवागमन बाधित करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें और शहर की यातायात व्यवस्था एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

नेहरू आर्ट गैलरी में हिमांशु वर्मा की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-बीएसपी के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में युवा छायाकार हिमांशु वर्मा की तीन दिवसीय एकल छायाचित्र प्रदर्शनी का 6 अगस्त 2026 को सायंकाल मुख्य महाप्रबंधक उन्मेष भारद्वाज ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी महाप्रबंधक श्रीमती नीलू भारद्वाज भी विशेष रूप से उपस्थित रही।

अपनी विशिष्ट मिनिमलिस्ट शैली के लिए पहचाने जाने वाले हिमांशु वर्मा अपने छायाचित्रों के माध्यम से साधारण प्रतीत होने वाले दृश्यों में निहित असाधारण सौंदर्य को उजागर करते हैं। प्रकाश और छाया के संतुलित संयोजन, सूक्ष्म भावों तथा क्षणभंगुर दृश्यों को संवेदनशीलता के साथ चित्रित कर वे दर्शकों को ठहरकर जीवन की बारीकियों को अनुभव करने के लिए प्रेरित करते हैं।

हिमांशु वर्मा वर्ष 2019 में नेहरू आर्ट गैलरी में आयोजित संयुक्त छायाचित्र प्रदर्शनी में अपनी सहभागिता दर्ज करा चुके हैं। उनकी छायाचित्र श्रृंखला का चयन प्रख्यात फोटोग्राफर विनीत वोहरा की प्रतिष्ठित मास्टरक्लास के टॉप पोर्टफोलियो में किया गया है। उनके कार्य विभिन्न ऑनलाइन फोटोग्राफी मंचों पर भी प्रदर्शित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के साथ फोटोग्राफी परियोजना में भी सहयोग किया है। उनके छायाचित्र अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनों में प्रदर्शित होने के साथ-साथ कई प्रतिष्ठित समूह प्रदर्शनों के लिए भी चयनित हो चुके हैं।

यह प्रदर्शनी 6 से 8 अगस्त तक प्रतिदिन सायं 5:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक खुली रहेगी।

बीएसपी की कई उत्पादन इकाइयों ने बनाया रिकार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- बीएसपी ने जुलाई 2026 में उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन करते हुए अनेक प्रमुख उत्पादन इकाइयों में अब तक के सर्वश्रेष्ठ जुलाई रिकॉर्ड को उल्लेखनीय अंतर से पीछे छोड़ दिया है। सिंटर प्लांट ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए कुल सिंटर उत्पादन 7,88,130 टन दर्ज किया, जो जुलाई 2023 के 7,21,848 टन के रिकॉर्ड से अधिक है।

यह जुलाई माह के दौरान सभी उत्पादन मानकों में सर्वाधिक परिमाणात्मक वृद्धि रही। वहीं सिंटर प्लांट-3 ने 5,38,741 टन उत्पादन कर जुलाई 2023 में दर्ज अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 5,00,929 टन को पार करते हुए नया मासिक कीर्तिमान स्थापित किया।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 2,60,542 टन हॉट मेटल उत्पादन कर, जुलाई 2023 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड 2,35,864 टन को पार किया। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 2.46 टन प्रति घन मीटर प्रतिदिन की रिकॉर्ड उत्पादकता भी हासिल की, जो जुलाई 2025 के 2.23 टन प्रति घन मीटर प्रतिदिन के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ब्लूम उत्पादन में नया रिकॉर्ड स्थापित किया। जुलाई 2026 में ब्लूम उत्पादन 1,29,050 टन दर्ज किया गया, जो जुलाई 2023 के 1,07,126 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। वहीं कास्ट स्टील उत्पादन 3,38,496 टन दर्ज किया गया, जिसने जुलाई 2023 के 3,01,013 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

संयंत्र ने समेकित उत्पादन मानकों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। कुल हॉट मेटल उत्पादन 5,44,049 टन रहा, जिसने जुलाई 2023 के 5,09,691 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं कुल क्रूड स्टील उत्पादन 5,17,656 टन दर्ज किया गया, जो जुलाई 2023 में रिकॉर्ड पिछले सर्वश्रेष्ठ 4,82,573 टन के रिकॉर्ड से अधिक है।

इसी प्रकार, कुल सेलेबल स्टील उत्पादन 4,83,949 टन रहा, जिसने जुलाई 2023 के 4,55,247 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पार करते हुए नया जुलाई रिकॉर्ड स्थापित किया।

मोहल्ले में एक जैसी बीमारी के दो मामले भी दिखे तो IHIP पोर्टल पर दें जानकारी

दुर्ग। गांव, मोहल्ले या बस्ती में यदि अचानक एक जैसी बीमारी के दो या अधिक मामले सामने आने लगें, तो यह किसी संभावित रोग प्रकोप का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में सबसे पहले इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को ही होती है। ऐसी संदिग्ध स्वास्थ्य घटनाओं की सूचना वे सीधे भारत सरकार के एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (IHIP) पर दर्ज कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग समय रहते जांच कर आवश्यक नियंत्रण उपाय शुरू कर सके। भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ इन्फॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पर सामुदायिक आधारित रोग निगरानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज के जन्मदिन पर स्कूली बच्चों को बांटी कॉपी और मिठाइयां

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता ताम्रध्वज साहू के जन्मदिन के अवसर पर दुर्ग में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अयूब खान के नेतृत्व में छोटे स्कूली बच्चों को कॉपी का वितरण किया गया और बच्चों को मिठाइयाँ बाँटकर ताम्रध्वज साहू जी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों को प्रोत्साहित करना था। आयोजकों ने कहा कि ताम्रध्वज साहू हमेशा शिक्षा और जनसेवा के लिए प्रेरणा रहे हैं।

उनके जन्मदिन को सेवा के माध्यम से मनाकर हम उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

शाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के जिला महामंत्री जसवंत गायकवाड, अभिषेक जांगड़े सचिव जिला कांग्रेस दुर्ग, संदीप बख्शी प्रदेश महामंत्री खेल प्रकोष्ठ, श्रीमती वी गुप्ता, पुरुषोत्तम सोनवानी कांग्रेस एस सी प्रकोष्ठ, प्रशांत बख्शी, विजेंदर बंजारे, जितेंद्र नवरंगे, मनोज वर्मा, उमेश वर्मा, स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिला मोर्चा ने पूर्व सैनिकों को बांधा रक्षा सूत्र

दुर्ग। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता एवं भारतीय सेना के वीर जवानों के सम्मान में जिला महिला मोर्चा, दुर्ग द्वारा पटेल चौक में सैनिक सम्मान एवं रक्षा सूत्र अभियान का आयोजन किया गया। महापौर अलका बाघमार, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर तथा अभियान के प्रमुख सहयोगी एवं भूतपूर्व सैनिक महेंद्र प्रताप राणा के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित पूर्व सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके राष्ट्रसेवा के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की विशेष उपस्थिति रही।

महापौर बाघमार ने किया करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिजन

- वार्ड 33, 34 एवं 35 में सड़क, नाली, पुलिया और पाइपलाइन विस्तार होगा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, शशि साहू, शेखर चन्द्राकर, पार्षद कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, अनूप सोनी, तुलसी यादव, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता विनोद मांझी, अपर्णा मिश्रा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 33, 34 एवं 35 में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर महापौर ने तीनों वार्डों का भ्रमण कर नागरिकों से सीधे संवाद किया

तथा उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने।

भूमिपूजन के तहत वार्ड क्रमांक 35 रामदेव वार्ड में 24.38 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण तथा डोल हरियाणा वाले के घर से माहेश्वरी के घर तक 9.99 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य कराया जाएगा। वहीं वार्ड क्रमांक 34 सरस्वती नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना की एएचपी साइट के समीप 24 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन विस्तार कार्य, शबाना ढीमर के घर से श्यामबती कंडरा तक 9 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण तथा किशन राजपूत के घर से सत्यनारायण के घर तक आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 33 में वर्धमान हॉस्पिटल से इमली झाड़ तक 9 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, शिवपारा गवलीपारा, सोनी जयश्री ऑयल मिल के पीछे तथा दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से मां बम्लेश्वरी मंदिर तक 11 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली एवं पुलिया निर्माण तथा 9 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त नाली निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है। सड़क, नाली, पुलिया और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ विकास नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक बढ़ाई

दुर्ग। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2026 के लिए अधिसूचित फसलों हेतु फसल बीमा कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस साल अनियमित या कम बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति में संभावित नुकसान से बचने के लिए फसल बीमा किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। योजना के तहत जिले में किसान भाई अधिसूचित फसलों धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, सोयाबीन, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, मूंगफली, कोदो, कुटकी तथा रागी का बीमा करा सकते हैं। किसान को बीमित राशि का मात्र 2 प्रतिशत प्रीमियम देना है, शेष प्रीमियम केंद्र एवं राज्य शासन वहन करेगा।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

टीबी मुक्त नारायणपुर : एआई एक्स-रे और जनभागीदारी से अभियान को मिली नई रफ्तार

रायपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान देश से क्षय रोग (टीबी) को खत्म करने का एक जन-आंदोलन है। इसके तहत मरीजों को पोषण, चिकित्सीय और व्यावसायिक सहायता दी जाती है। इसमें 'निक्षय मित्र' बनकर लोग या संस्थाएं टीबी रोगियों की मदद करते हैं। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी जांच अभियान जिला प्रशासन नारायणपुरऔर स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जनवरी से जुलाई 2026 तक 2,470 लोगों के बलगम नमूनों की जांच की गई, जिसमें 147 टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत त्वरित उपचार से जोड़ा गया है। नारायणपुर जिले के 87 हाई रिस्क गांवों को चिन्हित कर विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 68 गांवों में आधुनिक एआई आधारित हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के जरिए शिविर आयोजित कर 5,801 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सोलर हाई मास्ट से रोशन हुए वनांचल के गांव, रात में बढ़ी सुरक्षा और सुविधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत बस्तर संभाग के अंदरूनी और वनांचल गांवों के चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा से चलने वाली सोलर हाई मास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं, जिससे रात के समय ये क्षेत्र रोशन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और संवेदनशील पहल तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में नियद नेल्ला नार ग्रामों के चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सोलर हाई मास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। इससे गांवों में रात के समय उजाला बढ़ा है और लोगों की सुरक्षा तथा सुविधा में बड़ा सुधार हुआ है।

सेवा सेतु बना आमजन का भरोसेमंद साथी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सेवा सेतु आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। इस जनहितैषी पहल की बदौलत सक्ती जिले के जैजैपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोटेतरा की निवासी स्वाति आदित्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनके आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए हैं। आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण स्वाति को कई शासकीय कार्यों और महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सही जानकारी और उचित मार्गदर्शन के अभाव में बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद भी उनका काम पूरा नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान उन्हें श्सेवा सेतु केंद्रश् के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद वे अपने पिता लक्ष्मण प्रसाद के साथ केंद्र पहुंचीं और आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया। जैजैपुर तहसीलदार द्वारा स्वाति आदित्य का स्थायी जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने में कोई बाधा नहीं आएगी।

विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव के लिए पोषण एवं बाल कल्याण पर राज्य नीति आयोग यूनिसेफ का मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में पोषण एवं बाल कल्याण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में यूनिसेफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं बाल कल्याण से जुड़े प्रयासों को प्रभावी बनाने तथा नवाचारों को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि पोषण और बाल कल्याण किसी भी विकसित एवं सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा जैसे क्षेत्रों में पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए प्रभावी, व्यावहारिक एवं नवाचारी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यूनिसेफ के विशेषज्ञों से आग्रह किया कि ऐसे समाधान विकसित किए जाएं, जिनका लाभ प्रत्येक बच्चे, गर्भवती महिला एवं परिवार तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न नवाचारों पर भी सार्थक चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए पहले जहां पांच इंजेक्शन (खुराक) की आवश्यकता होती थी, वहीं अब एक ही इंजेक्शन से समतुल्य लाभ संभव है। इसे माताओं के लिए अधिक सुविधाजनक तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नवाचार बताया गया।

इसके साथ ही बच्चों एवं महिलाओं में एनीमिया (रक्ताल्पता) तथा कुपोषण की समस्या के प्रभावी समाधान पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि राज्य नीति आयोग नीति-परामर्श, प्रभावी मॉनिटरिंग तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभा रहा है। आयोग, यूनिसेफ जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से बस्तर सहित पूरे राज्य में पोषण एवं बाल कल्याण संबंधी कार्यक्रमों के लिए साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, अंतर-विभागीय समन्वय और निगरानी तंत्र को और मजबूत करेगा।

यूनिसेफ की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस सुश्री सीमा कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर संभाग के बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में राज्य शासन के साथ मिलकर कार्य करना यूनिसेफकी प्राथमिकता है। यूनिसेफ के सामाजिक नीति विशेषज्ञ डॉ. बाल परितोष दाश ने कहा कि पोषण एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में स्थायी परिणाम तभी प्राप्त किए जा सकते हैं, जब विभिन्न विभाग समन्वित रूप से कार्य करें और नीतियां साक्ष्य आधारित हों। बैठक में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं सुपोषित बचपन ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की मजबूत नींव है। बस्तर सहित पूरे राज्य में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संरक्षण को सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ी को सशक्त बनाया जा सकता है, जो समावेशी एवं सतत विकास का आधार बनेगा।

बैठक के समापन पर पोषण, बाल कल्याण एवं सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में ठोस, नवाचारी एवं परिणाम-आधारित रणनीति पत्र तैयार करने पर सहमति बनी, ताकि हर बच्चा स्वस्थ, हर भविष्य उज्ज्वल के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ़ विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभा सके।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का करें समयबद्ध क्रियान्वयन

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले शासन की योजनाओं का लाभः मुख्यमंत्री साय

पारस पोर्टल से हर माह होगी योजनाओं की राज्यस्तरीय समीक्षा, पारस पोर्टल से योजनाओं की होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से शासन की प्रमुख योजनाओं और जनसेवाओं की नियमित निगरानी के लिए विकसित पारस पोर्टल सुशासन का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पारस पोर्टल की पहली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने सीएम हेल्पलाइन 1076, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक, विकसित भारत जी-रामजी, डीबीएन वित्तपोषित मोबाइल टॉवर परियोजना तथा स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करे।

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राजस्व विभाग में सीमांकन से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद भी कई मामलों में समय पर सीमांकन नहीं हो रहा है। यह स्थिति आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी में डालती है तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जमीनी स्तर पर लापरवाही तथा जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव का परिणाम है। सभी कलेक्टर नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 का उद्देश्य नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से बचाना है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, इसलिए प्राप्त शिकायतों और फीडबैक का गंभीर विश्लेषण कर व्यवस्थागत सुधार किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की विशेष समीक्षा करते हुए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

एग्रीस्टैक में शत-प्रतिशत किसान पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एग्रीस्टैक में प्रत्येक पात्र किसान का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह केवल धान खरीदी की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की आधारभूत व्यवस्था है। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिलेवार विशेष अभियान संचालित कर प्रत्येक पात्र किसान का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष व्यवस्था के प्रारंभिक चरण में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आई थीं, लेकिन इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही के कारण कोई पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षणः विद्यार्थियों ने सीखे विमान निर्माण एवं उड़ान के वैज्ञानिक सिद्धांत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षण छोटे आकार के विमानों, ग्लाइडर्स और रेडियो-कंट्रोल्डएयरक्राफ्ट को डिजाइन करने, बनाने और उड़ाने की कला व विज्ञान सिखाता है। यह एनसीसी, तकनीकी संस्थानों और विशेष निजी कार्यशालाओं के माध्यम से प्रदान किया जाता है। प्रदेश के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच एवं नवाचार आधारित सीखने की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर स्थित संकल्प शिक्षण संस्थान में आयोजित पाँच दिवसीय आवासीय एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को विमानन विज्ञान, एयरोडायनामिक्स तथा एयरोमॉडलिंग के सिद्धांतों को व्यवहारिक गतिविधियों के साथ समझने और सीखने का अवसर मिला।

इस प्रशिक्षण में जशपुर जिले के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उन्हें आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना था।पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विमान उड़ान के वैज्ञानिक सिद्धांत, विमान की संरचना, उड़ान नियंत्रण प्रणाली, एयरफॉइल, लिफ्ट, ड्रैग, थ्रस्ट, सेंटर ऑफ ग्रैविटी तथा आधुनिक विमानन तकनीकों का अध्ययन किया। साथ ही 3डी वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से उन्हें कॉकपिट एवं विमान संचालन का आभासी अनुभव भी कराया गया, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक एवं प्रभावी बनी। प्रशिक्षक सुभाष देवांगन एवं राजेश राजपूत ने विद्यार्थियों को वायुगतिकी एवं एयरोमॉडलिंग का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रायोगिक सत्रों में विद्यार्थियों ने पेपर प्लेन, बूमरैंग, एयरक्राफ्ट पज़ल्स तथा एयरोमॉडल निर्माण जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

टीबी के खिलाफ लड़ाई में आगे आएं बनें किसी मरीज की उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टीबी के खिलाफ लड़ाई में आगे आएं, बनें किसी मरीज की उम्मीदटीबी केवल एक बीमारी नहीं है। यह गरीबी, कुपोषण और सामाजिक उपेक्षा से जुड़ी ऐसी चुनौती है, जो हर साल हजारों परिवारों को आर्थिक और मानसिक संकट में धकेल देती है। जब कोई व्यक्ति टीबी से ग्रसित होता है, तब उसके सामने केवल दवा लेने की चुनौती नहीं होती, बल्कि पौष्टिक भोजन जुटाने, नियमित उपचार जारी रखने और सामाजिक भेदभाव से लड़ने जैसी अनेक कठिनाइयाँ भी खड़ी हो जाती हैं। यही कारण है कि देशव्यापी प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में निक्षय मित्र की अवधारणा को विशेष महत्व दिया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि टीबी के उपचार में दवा जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है पर्याप्त पोषण। लेकिन दूरस्थ और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। कई मरीज केवल इसलिए उपचार बीच में छोड़ देते हैं क्योंकि उनके पास पोषणयुक्त भोजन की व्यवस्था नहीं होती। ऐसे समय में

निक्षय मित्र न केवल पोषण सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि मरीजों के मनोबल को भी मजबूत बनाते हैं।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है। जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के बीच स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कार्य करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यरत जिला डाटा प्रबंधक निरंजन प्रसाद गुप्ता ने अक्टूबर 2024 से निक्षय मित्र के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों को मंडल की बैठक में मिली स्वीकृति

निर्माण श्रमिकों के हित में मंडल की बैठक में लिए गए अहम फैसले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिको की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के सुधार हो रहा है। विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें की शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों को मिले। प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की बैठक को सम्बोधित करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किये।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की पंचम कार्यकाल की नवम बैठक आज गुरूवार को नवा रायपुर स्थित मण्डल कार्यालय में

श्रम मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन लखन लाल देवांगन, मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, उप सचिव श्रम विभाग विपुल गुप्ता, अपर श्रमायुक्त एस.एल. जांगड़े, कल्याण प्रशासक सुनील मिश्रा, मण्डल के सचिव गिरीश रामटेके सहित श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नवीन सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अनुरूप श्रमिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत राज्य के 20 चयनित विद्यालयों में 200 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं में नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन तथा अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन हेतु प्रदान की जाने वाली शैक्षणिक सहायता राशि का एकरूपीकरण करने का निर्णय भी लिया गया, जिससे अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिल सके। इसी प्रकार अटल करियर निर्माण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,000 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध कराने का अनुमोदन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन एवं डॉ. रामप्रताप सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने कहा कि राज्य सरकार निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के जैविक उत्पादों की राष्ट्रीय मंच पर गूंज

बायोफैच इंडिया-2026 में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के विष्णुभोग चावल और केवची के प्राकृतिक शहद ने बटोरी सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, महिला स्वसहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने तथा जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने के प्रयास लगातार नई सफलताएं प्राप्त कर रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के अंतर्गत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के महिला स्वसहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठन द्वारा तैयार किए जा रहे जैविक उत्पादों ने देश के सबसे बड़े एवं प्रतिष्ठित जैविक उद्योग व्यापार मेला एवं सम्मेलन 'बायोफैच इंडिया-2026' में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला एवं सम्मेलन में जिले के प्रसिद्ध 'अरपा बिहान विष्णुभोग

राइस' तथा 'केवची के जंगलों से संग्रहित प्राकृतिक शहद' का राष्ट्रीय स्टॉल में आकर्षक प्रदर्शन किया गया। इन उत्पादों ने देश-विदेश से पहुंचे खरीदारों, निर्यातकों, उद्योग विशेषज्ञों एवं जैविक उत्पादों से जुड़े प्रतिनिधियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। यह उपलब्धि न केवल गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के जैविक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई संभावनाओं का द्वार खोलने वाली साबित हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा महिला स्वसहायता समूहों की आर्थिक मजबूती को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी सोच का परिणाम है कि बिहान से जुड़ी महिलाएं आज केवल उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के व्यापारिक आयोजनों में अपने उत्पादों का सफल प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं। इससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिलने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि तथा उन्हें स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। बायोफैच इंडिया-2026 प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों तथा मोटे अनाज आधारित कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने वाला विश्वस्तरीय मंच है, जहां देश-विदेश के आयातक, निर्यातक, विपणन विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि और व्यापारिक संस्थाएं एकत्रित होकर जैविक उत्पादों के व्यापार एवं निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर छत्तीसगढ़ के उत्पादों की प्रभावी उपस्थिति राज्य के किसानों, महिला स्वसहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के लिए नए व्यापारिक अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

जिला मिशन प्रबंधक श्री दुर्गाशंकर सोनी ने बताया कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जैविक विष्णुभोग धान एवं प्राकृतिक शहद के साथ-साथ सूरन, कटहल तथा अन्य जैविक सब्जियों के उत्पादन को भी लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इन उत्पादों की गुणवत्ता, प्राकृतिक उत्पादन पद्धति तथा विशिष्ट स्वाद के कारण राष्ट्रीय बाजार में इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला स्वसहायता समूह आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बनने के साथ लखपति दीदी अभियान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

फिल्म रामायण से बॉलीवुड डेब्यू को तैयार सुरभि दास, बनीं सीता की बहन श्रुतकीर्ति

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की मचअवेटेड फिल्म रामायण का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है, जो अपने वीएफएक्स, किरदार और कहानी को लेकर लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है। ट्रेलर में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार महत्वपूर्ण किरदार में नजर आए हैं।

इस फिल्म में कई ऐसे स्टार भी दिखाई देंगे, जो इस फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा होंगे। हम बात कर रहे हैं सुरभि दास की, जो 4000 करोड़ में बनी रामायण से बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। टेलीविजन पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड रामायण में नजर आने वाली हैं।

अपने टेलीविजन करियर के लिए नॉर्थ-ईस्ट से मुंबई आईं सुरभि दास को नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण में एक अहम भूमिका मिली है। सुरभि दास ने बताया कि उनका सफर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक ऑडिशन से शुरू हुआ था। हालांकि, कन्फर्मेशन आने में लगभग दो महीने लग गए और तब तक वह अपने शो पांड्या ब्रदर्स की शूटिंग शुरू कर चुकी थीं। सुरभि ने कहा: मैं मुकेश छाबड़ा के पास गई और ऑडिशन दिया। लगभग दो महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे चुन लिया गया है। उसके बाद लुक टेस्ट और कॉस्ट्यूम ट्रायल हुए। धीरे-धीरे मुझे सब समझ आने लगा। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं इन दिग्गजों के साथ स्क्रीन शेयर करूंगी। यह एक अद्भुत एहसास है और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं। हाल के सालों में टेलीविजन पर काम करने के बावजूद उन्होंने साफ किया कि फिल्मों में उनका आना किसी निराशा की वजह से नहीं, बल्कि एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ने की सच्ची इच्छा की वजह से था। मैं इसे संघर्ष नहीं कहूंगी। यह बस एक प्रक्रिया है। हम फिल्मी परिवारों से नहीं आते हैं, जहां कोई एक फोन कॉल करके हमें काम दिला सके। आपको ऑडिशन देना होता है और लगातार ऑडिशन देते रहना पड़ता है, जब तक आपके प्रोजेक्ट रिलीज नहीं हो जाते, आपको सही रोल मिलने पर कास्टिंग डायरेक्टर से संपर्क करते रहना पड़ता है।

सुरभि ने दिवाली 2026 को रिलीज होने वाली रामायण में रोल मिलने के बारे में बात की और अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने कि वह श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं उर्मिला का किरदार नहीं निभा रही हूं। मैं श्रुतकीर्ति का किरदार निभा रही हूं, जो सीता की सबसे छोटी बहन और शत्रुघ्न की पत्नी हैं। मैं रामायण का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं, भले ही यह एक छोटा सा रोल हो। जब मुझे फोन आया तो मैं सोचती रही कि क्या मुझे सिर्फ शॉर्टलिस्ट किया गया है या फिल्म के लिए पक्का चुन लिया गया है। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था। इतनी बड़ी स्टार कास्ट और इतने बड़े पैमाने पर बन रही फिल्म का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा लग रहा था।

सुरभि दास ने कहा कि उन्हें लगातार मौके मिलते रहे। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया कि जब मैं असम से आई थी तब मैं पहले से ही निमा डेंजोंगपा कर रही थी। उसके बाद मैंने पांड्या स्टोर किया। फिर मैंने टेलीविजन से दूर होने का फैसला किया। रामायण में काम किया और अब मेरे पास दो और फिल्में हैं। मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे कभी भी काम के बिना लंबे समय तक खाली नहीं बैठना पड़ा। वह 1971 की लड़ाई पर आधारित एक फिल्म में दिखाई देने वाली है। इसके अलावा विकास बहल की दिल का दरवाजा खोलना डार्लिंग भी शामिल है।

'बंटवारा 1947' को लेकर सनी देओल ने फैंस से की खास गुजारिश,

बोले- आप फिल्म देखेंगे तो सब भूल जाएंगे

अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' का प्रमोशन कर रहे हैं। मुंबई में भी उन्होंने फिल्म का प्रमोशन किया था, इस दौरान मीडिया से बातचीत की। इस बातचीत में फिल्म की कहानी, किरदार और इसके पीछे की मंशा का जिक्र किया। इसके अलावा फैंस से एक खास गुजारिश भी वह करते दिखे। मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए सनी देओल ने कहा, 'किरदार ठीक वैसे ही हैं जैसे उन्हें लिखा गया था। हमने कभी भी किसी चीज को न्यूट्रल करने या मौजूदा माहौल के हिसाब से ढालने की कोशिश नहीं की। यह बस वैसी ही कहानी है जैसी लिखी गई थी।

फिल्म देखकर राजनीतिक बहस भूल जाएंगे दर्शक

सनी देओल का यह भी कहना था कि दर्शक फिल्म देखते वक्त इतना खो जाएंगे कि धर्म या राजनीति से जुड़ी बहस कहीं पीछे छूट जाएगी। वह कहते हैं, 'जब आप फिल्म देखेंगे तो आप वह सब भूल जाएंगे। आप इस सफर में इतने शामिल हो जाएंगे कि फिल्म देखने के बाद आप समझ जाएंगे कि बंटवारे का क्या मतलब था। मुश्किल हालात में खुद के और अपने अपनों के साथ खड़े होना कितना जरूरी था।'

क्या है 'बंटवारा 1947' फिल्म की कहानी?

'बंटवारा 1947' एक भावुक करने वाली कहानी है। यह भारत के बंटवारे के दर्द और उससे जुड़े इंसानी जज्बातों को करीब से दिखाएगी। फिल्म मुश्किल हालात में भी प्यार, हिम्मत, त्याग और कभी हार न मानने वाले जज्बे की कहानी कहेगी। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'बंटवारा 1947' में कई उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में सनी देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, शबाना आजमी, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार दिखाई देंगे।

फिर लीक हुआ 'वाराणसी' का सीन?

महेश बाबू का एक्शन वीडियो वायरल, फैंस में बढ़ी हलचल

महेश बाबू के जन्मदिन (8 अगस्त) से ठीक पहले फिल्म का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे वाराणसी घाट पर शूट हुए एक बड़े एक्शन सीन का हिस्सा बताया जा रहा है।

एक्शन सीन करते दिखे महेश बाबू

फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही 'वाराणसी' बार-बार लीक का शिकार होती रही है। पहले सेट की तस्वीरें, अनाउंसमेंट वीडियो के कुछ हिस्से और पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक भी ऑनलाइन सामने आ चुका है। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच और भी एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

वायरल हो रहे इस वीडियो में महेश बाबू खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म के किसी बड़े एक्शन सीन का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस वीडियो की सच्चाई पर कोई बयान नहीं दिया है।

पहले भी लीक हो चुके हैं सीन

इससे पहले भी फिल्म के 'उग्रभट्टी गुफा' वाले सीन से जुड़ा एक लीक सामने आया था, जिसे पोस्टर्स और अनाउंसमेंट वीडियो में थोड़ी झलक के तौर पर दिखाया गया था। उस सीन में बड़े-बड़े पत्थर, नक्काशीदार खंभे और ब्लू-स्क्रीन सेटअप नजर आया था, जिससे साफ था कि इसमें भारी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

अनाउंसमेंट वीडियो में 'छिन्नमस्ता देवी' की एक झलक भी दिखाई गई थी, जिससे यह गुफा वाला सीन फिल्म का सबसे खास हिस्सा माना जा रहा है। लगातार हो रहे इन लीक्स की वजह से 'वाराणसी' इन दिनों काफी चर्चा में है। यह फिल्म अभी प्रोडक्शन में है और अब तक इसकी कई तस्वीरें और वीडियो आधिकारिक रिलीज से पहले ही सामने आ चुके हैं।

'वाराणसी' के बारे में

राजामौली ने हाल ही में फिल्म के बारे में बताया था कि 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी।

इसमें टाइम-ट्रैवल का एंगल भी होगा और कहानी फिर से वाराणसी में आकर खत्म होगी। फिल्म की करीब 80% शूटिंग पूरी हो चुकी है और बड़े एक्शन सीन भी शूट हो गए हैं। बाकी शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम साथ-साथ चल रहा है।

बिग बॉस फेम सोनिया बंसल का श्रेया कालरा को समर्थन, बोलीं- हर कहानी के कई पहलू होते हैं

बिग बॉस फेम अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और लॉक अप सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है। सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए। सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं।

सोनिया ने कहा, मैं लॉक अप सीजन 2 के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुडने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।

आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनातीं। हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं।

उन्होंने आगे कहा, हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए दोस्ती का मतलब सिर्फ तब साथ देना नहीं है, जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो। असली दोस्ती तब होती है, जब कोई आलोचनाओं का सामना कर रहा हो और आपको उसके साथ खड़ा होना पड़े। मैं चाहती हूं कि लोगों को श्रेया को अपनी बात रखने का मौका देना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि दर्शक श्रेया की शो की जर्नी को खुले मन से देखेंगे और पहले से कोई धारणा नहीं बनाएंगे। वहीं, लॉक अप सीजन 2 में श्रेया कालरा की क्षमता को लेकर भी सोनिया ने उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्रेया में एक मजबूत खिलाड़ी बनने की सभी खूबियां हैं। वह समझदार हैं, निडर हैं और दर्शकों से जुडना अच्छी तरह जानती हैं।

बच्चे के लिए कितना अहम होता है मां का दूध?

हर साल 1 से 7 अगस्त तक वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मां के दूध के महत्व को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना और शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना है। सभी को ये समझने की जरूरत है कि जन्म के बाद शुरुआती महीनों में मां का दूध बच्चे के लिए सबसे संपूर्ण आहार माना जाता है, जिसमें नवजात के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व, एंटीबॉडी और ऊर्जा मौजूद होती है। शुरुआती छह महीने तक केवल स्तनपान बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। मां का दूध नवजात के लिए क्यों जरूरी है, इसके क्या फायदे हैं और स्तनपान से जुड़ी किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मां का दूध बच्चे के लिए क्यों जरूरी है?

मां का दूध नवजात शिशु के लिए प्रकृति का सबसे बेहतर पोषण स्रोत माना जाता है। इसमें प्रोटीन, फैट, विटामिन, मिनरल्स और ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो बच्चे की जरूरत के अनुसार उसे पोषण देते हैं।

1. रोगों से बचाने में मदद करता है

मां के दूध में मौजूद एंटीबॉडी बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करती हैं। इससे नवजात को कई तरह के संक्रमण जैसे दस्त, निमोनिया और सांस संबंधी बीमारियों से बचाव में सहायता मिल सकती है।

2. बच्चे के विकास के लिए फायदेमंद

स्तनपान से मिलने वाले पोषक तत्व बच्चे के मस्तिष्क, आंखों और शरीर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शुरुआती महीनों में बच्चे के तेजी से विकास के लिए यह बेहद जरूरी होता है।

3. मां और बच्चे के बीच बढ़ाता है रिश्ता

स्तनपान केवल पोषण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मां और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। इससे बच्चे को सुरक्षा और अपनापन महसूस होता है।

4. मां के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी

स्तनपान कराने से मां के शरीर को प्रसव के बाद रिकवरी में मदद मिल सकती है। यह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी सहायक माना जाता है।

5. पहले छह महीने क्यों जरूरी हैं?

विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह के अनुसार, जन्म के बाद शुरुआती छह महीने तक केवल मां का दूध देने की सलाह दी जाती है। इसके बाद बच्चे की जरूरत के अनुसार अन्य पौष्टिक आहार के साथ स्तनपान जारी रखा जा सकता है।

मां को अपनी डाइट का भी रखना चाहिए ध्यान

स्तनपान कराने वाली मां की डाइट का सीधा असर उसके स्वास्थ्य और दूध की गुणवत्ता पर पड़ता है। इस दौरान शरीर को ज्यादा ऊर्जा और पोषक तत्वों की जरूरत होती है, क्योंकि मां के शरीर से ही बच्चे को पोषण मिलता है। इसलिए मां को अपने भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए। मां को दालें, हरी सब्जियां, फल, दूध और दूध से बने उत्पाद, साबुत अनाज, सूखे मेवे और पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। स्तनपान के दौरान शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है। इस समय ज्यादा तनाव और थकान भी दूध बनने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, इसलिए मां के लिए पर्याप्त नींद और आराम लेना बेहद जरूरी होता है। शराब, धूम्रपान और बहुत ज्यादा कैफीन वाली चीजों से बचना बेहतर माना जाता है।

सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु भारत गौरव ट्रेन से रामलला एवं बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनआस्था, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक पर्यटन को जनकल्याण से जोड़ते हुए प्रदेशवासियों के वर्षों पुराने सपनों को साकार कर रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव ट्रेन श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में रवाना हुई।

रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भक्ति और उल्लास का अनूठा वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ स्टेशन पहुंचे। पूरा परिसर जय श्रीराम, हर-हर महादेव और जय सियाराम के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर अपने आराध्य के दर्शन का उत्साह और भावनात्मक खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अनेक परिवार पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे, जहां परिजनों ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर यात्रियों को शुभ यात्रा की मंगलकामनाओं के साथ विदा किया। भारत गौरव ट्रेन को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, जिला प्रशासन तथा भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हुए यात्रा की शुभकामनाएं दीं। रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला के दिव्य दर्शन तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन एवं पूजन का सौभाग्य प्राप्त होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा गया है। पूरी यात्रा का संचालन पर्यटन विभाग एवं आईआरसीटीसी के समन्वय से सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आरामदायक रेल यात्रा, स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास, पौष्टिक शुद्ध शाकाहारी भोजन, पेयजल, स्थानीय परिवहन, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था तथा अनुभवी एस्कॉर्ट दल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं तथा दिव्यांग यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण कर सके।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सोच है कि आर्थिक स्थिति किसी भी श्रद्धालु की आस्था के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए। इसी भावना के अनुरूप रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क धार्मिक यात्रा का अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह योजना केवल दर्शन कराने तक सीमित नहीं है।

खास-खबर

जैविक खेती को जन-आंदोलन बनाने की पहल

सुकमा। जिला पंचायत संसाधन केंद्र परिसर में 3 अगस्त से कृषि एवं पशु सखियों के लिए चार दिवसीय जैविक खेती सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण अंचलों तक टिकाऊ खेती और आधुनिक पशुपालन तकनीकों की पहुँच बनाना है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों को बचाते हुए किसानों की आत्मनिर्भरता बढ़ाई जा सके। प्रशिक्षण सत्र में भूमगादी संस्था के विशेषज्ञ सुरेश नाग द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक और तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों, घर पर ही जैविक खाद एवं कीटनाशक तैयार करने के तरीकों तथा पशुधन प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है, ताकि महिलाएँ अपने क्षेत्रों में जाकर अन्य किसानों को भी आसानी से प्रशिक्षित कर सकें। इस दौरान राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका सोरी ने विशेष रूप से पहुँचकर सखियों का उत्साहवर्धन किया।

पीएम मत्स्य संपदा योजना से मछुआरों को मिलेगा निः शुल्क बीमा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। प्रभारी अधिकारी एन पी ओगरे से प्राप्त जानकारी अनुसार, इस योजना में सामान्य वर्ग के लिए प्रोजेक्ट लागत का 40त्न और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग और महिलाओं के लिए प्रोजेक्ट लागत का 60त्न तक की वित्तीय सहायता अनुदान दिया जाता है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना चलाई जा रही है, जिसमें मत्स्य पालकों को 5 लाख तक का मुफ्त दुर्घटना बीमा, आंशिक विकलांगता पर 2.5 लाख, तथा अस्पताल के खर्च के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। इस योजना का प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना मत्स्य पालकों और उनके परिवारों के लिए कठिन परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा का प्रभावी माध्यम बन रही है। आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना एक मजबूत मत्स्यकी प्रबंधन और लिमिटेड ढांचा तैयार करना है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बड़ी उपलब्धि

SASCI 2026-27 के तहत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का पहला राज्य बना छत्तीसगढ़

स्वच्छ ऊर्जा, किसानों की आय में वृद्धि और हरित अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया बल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। राज्य में कम्प्रेस्ड बायोगैस इकोसिस्टम के विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी प्रयासों की सराहना करते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना 2026-27 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इस योजना के तहत यह प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है और यह उपलब्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग तथा छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को इस सफलता के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति राज्य के कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण क्षेत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी। इससे कृषि अवशेषों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलेगा तथा पराली और अन्य जैव अवशेषों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए हरित अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को जैव ईंधन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। सीबीजी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, रोजगार, किसानों की आय, जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण को नई गति मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी।

राज्य सरकार ने कम्प्रेस्ड बायोगैस परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 को 8 जून 2026 को अधिसूचित किया है। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अपशिष्ट, पैडी स्ट्रॉ तथा अन्य बायोमास का वैज्ञानिक रूपांतरण कर औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपयोग के लिए स्वच्छ गैसीय ईंधन का उत्पादन किया जाएगा।

इससे किसानों को बायोमास की आपूर्ति से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, वहीं संयंत्रों से प्राप्त जैविक खाद जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सीबीजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्यप्रणाली विकसित करने पर विशेष जोर दिया है। इसी क्रम में 3 अगस्त 2026 को मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में राज्य में सीबीजी परियोजनाओं के त्वरित विकास के लिए बायोमास संग्रहण व्यवस्था, सिंगल विंडो क्लीयरेंस, जैव उर्वरक के उपयोग, विभागीय समन्वय तथा निवेश प्रोत्साहन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित सरकार ने राज्य में सीबीजी संयंत्रों की स्थापना, निवेश संभावनाओं, नीति के क्रियान्वयन तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

गुढियारी मंडल की मासिक बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा और तिरंगा यात्रा को लेकर बनी रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी गुढियारी (रायपुर) मंडल की महत्वपूर्ण मासिक एवं टिफ्निं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना एवं विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही आगामी कांवड़ यात्रा एवं तिरंगा यात्रा को सफल और भव्य बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में मंडल प्रभारी नवीन शर्मा, मंडल अध्यक्ष विजय जैन, रायपुर पश्चिम विधानसभा संयोजक ओंकार बैस, बी. श्रीनिवास राव एल्डरमैन, सम्मानित पार्षदगण एवं वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठजनों ने कार्यकर्ताओं को संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के साथ ही आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन दिया।

बैठक के दौरान संगठन की गतिविधियों को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी आयोजनों को बेहतर समन्वय के साथ संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आनंद निषाद ने कहा कि वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहा है। संगठन की मजबूती और जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा। बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा एवं तिरंगा यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।

पीएम जनमन आवास योजनाः कुमारी बाई की पक्के आवास का सपना हुआ पूरा, मिला सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिंदगी कई बार ऐसे कठिन इम्तिहान लेती है, जिनके सामने इंसान खुद को असहाय महसूस करने लगता है। जीवन में हर व्यक्ति का एक सपना होता है की खुद का आशियाना हो जिसमे वह सुकून की नींद ले सके. इसी सपने को सरकार साकार कर रही हैं.महासमुंद विकासखंड के ग्राम पंचायत डुमरपाली के आश्रित ग्राम रामपुर की 35 वर्षीय कुमारी बाई कमार का जीवन भी कुछ ऐसा ही था। विवाह के कुछ समय बाद ही पति का असामयिक निधन हो गया, जिससे दो छोटे बच्चों के पालन-पोषण और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुमारी बाई बांस से बने घरेलू सामान तैयार कर अपनी आजीविका चलाती थीं। किसी तरह दो वक्त की रोटी का इंतजाम हो जाता था, लेकिन रहने के लिए सुरक्षित घर नहीं था। जंगल से लगे क्षेत्र में कच्चे मकान में रहते हुए जंगली जानवरों का भय हर रात बना रहता था। ऐसे में पक्का और सुरक्षित घर उनके लिए केवल एक सपना बनकर रह गया था। इसी दौरान ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) आवास योजना की जानकारी मिली। पात्रता के आधार पर उनका नाम योजना में स्वीकृत हुआ और उन्हें पक्का आवास मिला। आज कुमारी बाई अपने दोनों बच्चों के साथ नए पक्के घर में सुरक्षित, सम्मान पूर्वक और निश्चिंत जीवन जी रही हैं। अब उन्हें बारिश, आंधी या जंगली जानवरों का भय नहीं सताता। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें मकान के साथ उनके परिवार को सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की नई उम्मीद भी दी है। कुमारी बाई ने खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

किसानों ने ड्रोन से खरपतवार नाशक का छिड़काव कर बचाया समय और श्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदा बाज़ार भाटापारा जिले के किसान अब खेती में तकनीक का इस्तेमाल कर आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड भाटापारा के ग्राम पाटन, धौरभठा और खोलवा के किसानों ने खेती में तकनीक का नया उदाहरण पेश किया है। यहां करीब 40 हेक्टेयर रकबे में किसानों ने ड्रोन के माध्यम से खरपतवार नाशक का छिड़काव करवाया।

पारंपरिक तरीके से इस रकबे में छिड़काव करने में 10 से 15 दिन लग जाते थे। ड्रोन की मदद से पूरा काम कुछ ही घंटों में पूरा हो गया। इससे किसानों के समय, श्रम और लागत तीनों की बचत हुई।ग्राम धौरभठा के किसान आलोक जायसवाल एवं खोलवा के कृषक गुड्डू चांडक ने बताया कि पहले 2से 3 एकड़ में छिड़काव करने के लिए 2 मजदूर पूरे दिन लगते थे। ड्रोन से 40 हेक्टेयर का काम एक दिन में हो गया। पानी भी कम लगी और पीठ पर टंकी ढोने की परेशानी नहीं रही।

कृषि विभाग और स्थानीय कृषि तकनीक सेवा प्रदाता के सहयोग से ड्रोन को खेतों में उतारा गया। ड्रोन ने निर्धारित ऊंचाई से एक समान रूप से खरपतवार नाशक का छिड़काव किया। इससे दवा की बर्बादी भी कम हुई और फसल पर असर बेहतर रहा।मैनुअल छिड़काव की तुलना में 80 प्रतिशत समय कम लगा। इसके साथ ही मजदूरी और दवा दोनों में बचत एवं एक समान छिड़काव से खरपतवार नियंत्रण बेहतर हुई।

जिला प्रशासन द्वारा सहकरी समिति के माध्यम से किसानों को ड्रोन उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें 4 नग ईफ्को कम्पनी के भी है। कृषि विभाग के अधिकारियो ने बताया कि इस व्यवस्था से अब छोटे किसानों को भी कम दर पर ड्रोन सेवा मिल रही है। भाटापारा क्षेत्र में धान और दलहन की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए यह तकनीक तेजी से लोकप्रिय हो रही है।फिलहाल पाटन, धौरभठा और खोलवा के किसान इस प्रयोग से काफी संतुष्ट हैं और आने वाले सीजन में और अधिक रकबे में ड्रोन से छिड़काव करवाने की योजना बना रहे हैं।

नक्सल साये से निकलकर शिक्षा की ओर बढ़ता सुकमा

पालक कनेक्ट अभियान से संवर रहा बच्चों का भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पालक कनेक्ट (पालक-शिक्षक संवाद) अभियान के माध्यम से सरकारी स्कूलों के बच्चों का भविष्य संवर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अनूठी पहल पर शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पालकों (अभिभावकों) और शिक्षकों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है, जिससे बच्चों के शैक्षणिक स्तर और उनके सर्वांगीण विकास में सुधार लाया जा सके।

कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाला छत्तीसगढ़ का सुकमा जिला अब शिक्षा के क्षेत्र में एक नई और प्रेरक मिसाल पेश कर रहा है। जिला प्रशासन की विशेष पहल और कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 'पालक कनेक्ट' अभियान के जरिए दूरस्थ वनांचल के ड्रॉपआउट बच्चों को पुनरू स्कूल की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

इस अभियान की मुख्य रीढ़ जिले के समर्पित शिक्षक, प्राचार्य और संकुल समन्वयक हैं। ये शिक्षक केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर जंगल, पहाड़ियों और कठिन रास्तों को पार करते हुए सीधे बच्चों के घर-आंगन तक पहुंच रहे हैं। वे अभिभावकों से व्यक्तिगत संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व से अवगत करा रहे हैं और बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वनांचल का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। संवेदनशील प्रशासन, समर्पित शिक्षकों और जागरूक अभिभावकों के त्रिकोणीय प्रयास ने सुकमा की तस्वीर बदल दी है।

जिस क्षेत्र में कभी भय और अनिश्चितता का माहौल हुआ करता था, वहां अब बच्चों के हाथों में किताबें, कॉपियां और उज्ज्वल भविष्य के नए सपने दिखाई दे रहे हैं।

कई गांवों में दिखे सकारात्मक परिणाम

पालक कनेक्ट अभियान के तहत जिले भर से उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। हाई स्कूल पाकेला के शिक्षकों ने पेदापारा पहुंचकर छात्र कृष्णा नाग, गणेश, सुमन और मोहित के परिजनों को नियमित पढ़ाई के लिए सहमत किया। वहीं आदगुड़ा की शाला त्यागी बालिका ज्योति सोड़ी का निकटतम स्कूल में पुनरू दाखिला कराया गया। भेज्जी क्षेत्र के माड़वी हिड़मा (कक्षा 8वीं), माड़वी जोगा (कक्षा 7वीं) और माड़वी संदीप (कक्षा 9वीं) की स्कूल वापसी कराई गई। रेगडगट्टा, गेडापाड़, इंजरम, मैलासुर और पालाचलमा क्षेत्रों में व्यापक मोबाइल संपर्क अभियान चलाकर बच्चों को नियमित स्कूल भेजने का आश्वासन प्राप्त किया गया।

खेत से लेकर मोबाइल तक शिक्षा से जोड़ने की अनूठी मिसालें

पोटाकेबिन चिंतागुफा की पहलरू शासकीय बालक आवासीय हाई स्कूल (पोटाकेबिन) चिंतागुफा के शिक्षकों ने सुदूर गांव बोदीगुड़ा और टेटरई पहुंचकर परिजनों से संवाद किया। एक छात्र को शिक्षक स्वयं अपने साथ पोटाकेबिन लेकर आए, ताकि उसकी पढ़ाई तुरंत शुरू हो सके। खेतों तक पहुंचे शिक्षक कक्षा 7वीं की एक छात्रा के लंबे समय से अनुपस्थित रहने पर शिक्षक उसे खोजते हुए खेत तक जा पहुंचे और परिजनों से बेटी की पढ़ाई जारी रखने का आग्रह किया। डिजिटल संपर्क के माध्यम से जिन सुदूर क्षेत्रों तक सीधे पहुंचना संभव नहीं हो सका, वहां शिक्षकों ने मोबाइल के माध्यम से अभिभावकों से संपर्क साधकर बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई।

सरस्वती साइकिल योजना के तहत 37 छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिलें

बिलासपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगाँव (कोटा) में आज सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत कक्षा 9वीं की 37 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मोहित जायसवाल, प्रभु सिंह जगत उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। इसके बाद छात्राओं कु. मानवी एवं कु. रोहिणी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य शैलेश कुमार पांडेय ने अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 12वीं की छात्रा कु. शिवांगनी एवं उनके साथियों ने आकर्षक कर्मा नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गैस सिलेंडर मांगने पर चपरासी ने प्रभारी एचएम को पीटा, गिरफ्तार

कोरबा। कोरबी कोरबी मिडिल स्कूल के प्रभारी प्रधान पाठक दिलीप कुमार घृतलहरे ने 30 जुलाई को बिलासपुर जाते समय अपना इंडेन का भरा गैस सिलेंडर चपरासी अर्जुन लाल सूर्यवंशी के कटघोरा स्थित मकान में रखा था। 3 अगस्त को लौटते वक्त उन्होंने फोन कर सिलेंडर मांगा, तो अर्जुन ने मां के मंदिर जाने का हवाला देकर इंतजार करने को कहा। काफी देर इंतजार के बाद जब शिक्षक स्कूल पहुंचे और अर्जुन से दोबारा सिलेंडर मांगा, तो उसने क्या मैं तुम्हारा नौकर हूं कहते हुए गालियां देनी शुरू कर दीं। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने हाईस्कूल कार्यालय के अंदर ही प्रधान पाठक पर हमला कर दिया। घटना के वक्त दफ्तर में मौजूद भूपेन्द्र सिदार और देवीलाल कुम्भकार ने बीच-बचाव कर शिक्षक को बचाया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

धमतरी। धमतरी में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में जिला न्यायालय ने आरोपी राकेश मंडावी को पॉक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास समेत विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई। कोर्ट ने अर्थदंड की राशि पीड़िता को देने के निर्देश दिए, जबकि विवेचक अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा। धमतरी जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में जिला न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कड़ी सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत सात वर्ष के सश्रम कारावास और धारा 87 के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा उस पर 5 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को सभी आरोपों में दोषी पाया और उपरोक्त सजाएं सुनाईं। साथ ही आरोपी की ओर से जमा कराई गई 7 हजार रुपये की अर्थदंड राशि पीड़िता को दिए जाने के निर्देश भी दिए।

थर्मल पॉवर प्लांट के बॉयलर एरिया में गिरी क्रेन, जान बचाकर भागे मजदूर

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एक निजी थर्मल पॉवर प्लांट में क्रेन गिरने से बड़ा हादसा हुआ है। बॉयलर एरिया में अचानक क्रेन गिरने से प्लांट के अंदर काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसी मामले की जांच कर रही है। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम मौके पर पहुंचकर मुस्तैदी दिखाते हुए सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। सुरक्षा को लेकर पूरे इलाके की बैरिकेडिंग कर आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई है। घटना सुबह करीब 11:42 बजे के आसपास की बताई जा रही है। बताया जाता है क्रेन गिरने से पॉवर प्लांट के उपकरणों और संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा है। तकनीकी टीम नुकसान का आकलन और घटना की जांच कर रही है। गनीमत की बात यह है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

गाड़ी लेकर स्कूल जाने वाले नाबालिगों पर एक्शन : 59 गाड़ियां जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर यातायात पुलिस ने स्कूल जाने के लिए दोपहिया और अन्य वाहन लेकर पहुंचने वाले नाबालिग छात्रों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। गुरुवार को शहर के 9 प्रमुख स्कूलों के बाहर विशेष जांच अभियान में 59 नाबालिग वाहन चालक पकड़े गए। सभी वाहनों को जब्त कर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने पर तीन स्कूल वैन और एक स्कूल ऑटो के खिलाफभी कार्रवाई की गई। इस तरह कुल 63 वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के बाद अधिकारियों ने पेरेंट्स की काउंसलिंग की और दोबारा बच्चों को वाहन चलाने देने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

पेरेंट्स की हुई काउंसलिंग

कार्रवाई के बाद सभी नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों को यातायात सभागार बुलाकर काउंसलिंग की गई। एसीपी ट्रैफिक स्नेहिल साहू और सीमा अहिरवार ने बताया कि नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने देना कानून का उल्लंघन है। पेरेंट्स को यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने की समझाइश दी गई।

एक नजर में कार्रवाई

59 नाबालिग वाहन चालक पकड़े गए, 03 स्कूल वैन और 01 स्कूल ऑटो पर कार्रवाई, 63 वाहनों के खिलाफ गुरुवार को कार्रवाई, 340 वाहनों पर अब तक एक्शन, 269 नाबालिग वाहन चालक और 71 स्कूल ऑटो पर कार्रवाई। दोबारा पकड़े जाने पर धारा 199(ए) के तहत होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई, लगातार जारी रहेगा अभियान।

साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे थे खाते पुलिस के हत्थे चढ़े 13 म्यूल खाताधारक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। साइबर ठगी की राशि के लेनदेन में उपयोग किए जा रहे 13 म्यूल बैंक खाताधारकों के विरुद्ध थाना सुपेला, खुर्सीपार पुलिस एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई करते हुए विधिवत गिरफ्तारी की गई।

आरोपी कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराकर अवैध धनराशि के अंतरण में सहयोग कर रहे थे। तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण एवं विवेचना के आधार पर लगभग 10 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ तथा म्यूल अकाउंट नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। थाना सुपेला क्षेत्र में 09 तथा थाना खुर्सीपार क्षेत्र में 04, कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराधों एवं म्यूल बैंक खाताधारकों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना सुपेला, थाना खुर्सीपार एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी अपने स्वयं के तथा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि के लेनदेन एवं अंतरण के लिए कर रहे थे। आरोपी कमीशन प्राप्त करने के उद्देश्य से एजेंटों के माध्यम से बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे, जिनका उपयोग ठगी की राशि को विभिन्न खातों के माध्यम से स्थानांतरित एवं छिपाने में किया जाता था।

जांच में यह भी ज्ञात हुआ कि संबंधित खाताधारकों द्वारा 2,000 से 15,000 तक के कमीशन के बदले अपने बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज एवं सिम कार्ड अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए गए थे। तकनीकी विश्लेषण एवं बैंक रिकॉर्ड के परीक्षण में इन खातों में लगभग 10 लाख रुपये के संदिग्ध साइबर ट्रांजेक्शन पाए गए। प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना सुपेला क्षेत्र में बंधन बैंक के 09 खाताधारकों तथा थाना खुर्सीपार क्षेत्र में इंडियन बैंक के 04 खाताधारकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

आरोपी कमीशन प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम कार्ड साइबर अपराधियों अथवा उनके एजेंटों को उपलब्ध कराते थे। इसके पश्चात साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि इन खातों के माध्यम से विभिन्न खातों में स्थानांतरित कर वास्तविक अपराधियों की पहचान छिपाने का प्रयास किया जाता था। उक्त कार्रवाई में थाना सुपेला, थाना खुर्सीपार एवं एसीसीयू दुर्ग की संयुक्त टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों के परीक्षण, डिजिटल साक्ष्य संकलन एवं सतत विवेचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर प्रभावी एवं त्वरित वैधानिक कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

डी. श्रीनिवास राव, उम्र 32 वर्ष, मनीष सिंह मट्टू, उम्र 36 वर्ष, जितेन्द्र साहू, उम्र 37 वर्ष, यश यादव, उम्र 20 वर्ष, मयंक पटेल, उम्र 25 वर्ष, रोशन सारथी, उम्र 24 वर्ष, तुषार कसरे, उम्र 22 वर्ष, प्रवीण कुमार, उम्र 21 वर्ष, प्रवीण कुशवाहा, उम्र 25 वर्ष, अजय बंसोड़, उम्र 44 वर्ष, संगीत साहू, उम्र 28 वर्ष, उभय यादव, उम्र 20 वर्ष, डीलेश मरकाम।

वृद्ध महिलाओं को बनाते थे निशाना पुलिस ने 6 आरोपियों को दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। कबीरधाम पुलिस ने जिले में लगातार हो रही चेन स्नैचिंग की घटनाओं का खुलासा करते हुए छह सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोपी सुनसान स्थानों पर अकेली और वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से सोने-चांदी के आभूषण झपटते थे। पुलिस ने गिरोह के कब्जे से लाखों रुपये का सामान जब्त किया है।

जिले में पिछले दो महीनों से वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाकर चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का कबीरधाम पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। साइबर सेल और पिपरिया थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरोह के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई तीन मोटरसाइकिल, करीब छह ग्राम सोने के आभूषण, नकदी सहित कुल 3.41 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है।

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गिरोह के सदस्य पहले गांवों और आसपास के इलाकों में रेकी करते थे। इसके बाद वे अकेली या बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाकर उनके गले से सोने-चांदी के आभूषण झपट लेते थे। पहचान छिपाने के लिए आरोपी वारदात के दौरान मुंह ढंककर मोटरसाइकिल से पहुंचते और घटना के तुरंत बाद फरार हो जाते थे।

पुलिस के अनुसार, थाना पिपरिया, थाना पांडातराई और पुलिस चौकी पोंड़ी क्षेत्र में दर्ज कुल पांच मामलों की जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और साइबर विश्लेषण की मदद से पुलिस मुख्य आरोपी नैनदास बंजारे, मनोज जांगड़े और राधेलाल चतुर्वेदी तक पहुंची। पूछताछ में तीनों ने चेन स्नैचिंग की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने तीन मोटरसाइकिल, लगभग छह ग्राम सोने के आभूषण और एक हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत करीब 3.41 लाख रुपये बताई गई है।

पत्नी ही निकली पति की कातिल साड़ी से गला घोंटकर की हत्या

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम टोकरो में तालाब किनारे मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने महज दो दिनों में सुलझा ली है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि युवक की हत्या उसकी पत्नी ने ही की थी। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान परमेश्वर सिदार (30 वर्ष) रूप में हुई है। वह पिछले छह माह से ग्राम टोकरो के तालाब में चौकीदारी का काम कर रहा था। मंगलवार को उसका शव तालाब किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी तिजिया सिदार (26 वर्ष) से पूछताछ की गई। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करती रही, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी महिला ने बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी था और आए दिन विवाद व

मारपीट करता था। घरेलू कलह और प्रताड़ना से परेशान होकर उसने साड़ी से पति का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अभनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज दो दिनों में इस अंधे कत्ल का खुलासा कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है।

भिलाई ट्रिपल मर्डर केस में फांसी रद्द, आखिरी सांस तक जेल

पत्नी-डेढ़ माह की बेटी समेत तीन की हत्या, हाईकोर्ट बोला- मामला रेयरेस्ट नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने भिलाई के तालपुरी में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी रवि शर्मा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उसकी सजा बरकरार रखते हुए ट्रायल कोर्ट की फांसी की सजा को बदलकर बिना किसी छूट के उम्रकैद कर दिया है।

यानी अब आरोपी रवि शर्मा को मरते दम तक जेल में रहना होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता, इसलिए फांसी की सजा देना जरूरी नहीं है। बता दें कि निचली अदालत ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाई थी।

21 जनवरी 2020 को तालपुरी के एक किराये के मकान में रवि शर्मा की पत्नी मंजू शर्मा, उनकी डेढ़ माह की बेटी और एन. राजू के शव मिले थे। आरोपी ने सबूत मिटाने

के लिए तीनों के शवों को जलाने की कोशिश की थी।

जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के पास से मिला चिपकने वाला टेप घटनास्थल पर इस्तेमाल किए गए टेप से मेल खा गया। उसके पास से नींद की दवा एल्प्रेक्स 0.5 का खाली रैपर भी मिला। वहीं, दीवार पर लिखे गए नोट की लिखावट भी आरोपी की लिखावट से मिल गई।

वारदात से पहले उसने पत्नी, अपनी डेढ़ माह की बेटी और एन. राजू को नींद की दवा एल्प्रेक्स 0.5 खिलाई। फिर उनके मुंह, हाथ और पैर पर टेप बांध दिया, जिससे दम घुटने से तीनों की मौत हो गई।

बाद में आरोपी ने दीवार पर एक नोट लिखा, ताकि लोगों को लगे कि उसने पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है, लेकिन मृतका की मां को आए एक अनजान फोन कॉल से मामले का खुलासा हुआ। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो घर के अंदर तीनों के शव मिले।

घटनास्थल की दीवार पर लिखे गए नोट की लिखावट का मिलान हैंडराइटिंग विशेषज्ञों ने आरोपी की लिखावट से किया, जो पूरी तरह मेल खा गई। इन सभी सबूतों के आधार पर कोर्ट ने माना कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूरी कड़ी सीधे आरोपी रवि शर्मा की ओर इशारा करती है। इसी आधार पर ट्रायल कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई थी।

कोर्ट ने आरोपी को आईपीसी की धारा 302 (तीन हत्याएं) और धारा 201 (सबूत मिटाने) के तहत दोषी माना। साथ ही कहा कि सामान्य आजीवन कारावास इस अपराध के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

इसलिए उसे बिना किसी समयपूर्व रिहाई या कानूनी छूट के आखिरी सांस तक जेल में रहने की सजा दी गई है। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 72 और 161 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका का अधिकार उसके पास बना रहेगा।

बिलासपुर में नशीली टेबलेट और सिरप बेचते 2 युवक हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर में सिटी कोतवाली पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पचरीघाट क्षेत्र से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट और कफ सिरप के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 50 नाइट्रोसन टेबलेट और 23 शीशी ऑनरेक्स सिरप बरामद किए हैं।

वहीं, गांजा तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे ओडिशा के तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी) और 22(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

टीआई देवेश सिंह राठौर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पचरीघाट नाला रोड स्थित मनोहर लॉज के पास दो युवक प्रतिबंधित नशीली गोलियां और सिरप बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया।

पूछताछ में पहले आरोपी ने अपना नाम विनोद साहू (21) निवासी पचरीघाट, थाना सिटी कोतवाली बताया। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की जेब से काली पॉलीथिन में रखी 50 नाइट्रोसन टेबलेट बरामद हुईं। प्रत्येक स्ट्रिप में 10-10 टेबलेट थीं। दूसरे आरोपी विशाल कुमार बुनकर (34) निवासी पचरीघाट के कब्जे से 23 शीशी ऑनरेक्स सिरप बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नशा करने वाले लोगों को बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

नाना की हत्या करने वाले 2 नातियों को उम्रकैद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मकान और पुश्तैनी जमीन के विवाद में अपने ही नाना की हत्या करने वाले दो नातियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों ने साल 2022 में कुल्हाड़ी, फावड़ा और डंडे से हमला कर अपने नाना की हत्या कर दी थी। घटना खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम सोण्डका की है।

अभियोजन के अनुसार, ग्राम सोण्डका निवासी गेंदलाल डनसेना (62) का अपने पुश्तैनी मकान और जमीन को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। मृतक के साथ उसके नाती ओमप्रकाश डनसेना (24) और कार्तिक डनसेना (19) भी रहते थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण और संपत्ति पर अधिकार को लेकर दोनों पक्षों के बीच लगातार विवाद बढ़ता जा रहा था।

25 दिसंबर 2022 को दोनों आरोपियों ने गेंदलाल के छोटे भाई के घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की थी, जिसकी शिकायत थाना

खरसिया में दर्ज कराई गई थी। अगले दिन 26 दिसंबर 2022 को पारिवारिक बैठक के दौरान विवाद हिंसक हो गया। दोनों आरोपी अपने नाना पर हमला करने दौड़े। जान बचाने के लिए गेंदलाल कमरे में छिप गए, लेकिन आरोपियों ने गैस सिलेंडर से दरवाजा तोड़ दिया और अंदर घुसकर टांगी, फावड़ा और डंडे से हमला कर उनकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही तत्कालीन थाना प्रभारी खरसिया उप निरीक्षक नंद किशोर गौतम और जोबी चौकी प्रभारी एएसआई लक्ष्मी नारायण राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी कार्तिक डनसेना को घटनास्थल से ही हिरासत में ले लिया गया। जबकि फरार ओमप्रकाश डनसेना को अगले दिन मुखबिर की सूचना पर नावापारा रोड से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, फावड़ा, डंडा, गैस सिलेंडर और वारदात के समय पहने गए कपड़े जब्त किए गए।

मजबूत साक्ष्यों के आधार पर सुनाई उम्रकैद

जांच के दौरान पुलिस ने महत्वपूर्ण भौतिक और मौखिक साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में मजबूत चालान पेश किया। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चौकी प्रभारी एएसआई लक्ष्मी नारायण राठौर ने साक्ष्यों की प्रभावी पेशी सुनिश्चित कराई।

मामले में पुलिस की मजबूत विवेचना और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश श्वेता श्रीवास्तव की अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई।

कट्टे की नोक पर शिक्षिका से लूट, ऑटो चालक पर भी हमला

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में स्कूल से घर लौट रही एक शिक्षिका से कट्टे की नोक पर लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ऑटो रुकवाकर पहले चालक को धमकाया, फिर शिक्षिका से छीनाझपटी कर पर्स लूट लिया। विरोध करने पर ऑटो चालक पर भी हमला कर दिया और उसका मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, ग्राम जामगांव स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में व्याख्याता योगिता राज पुरोहित बुधवार शाम करीब 4 बजे स्कूल से छुट्टी के बाद ऑटो चालक राजेश धीवर के साथ मिलाईगढ़ स्थित अपने घर लौट रही थीं। दोनों अमेरी-बटंग-नरधी मार्ग से गुजर रहे थे। हाई स्कूल से करीब 400 मीटर पहले बाइक पर सवार दो बदमाशों ने ऑटो रुकवाया। एक आरोपी ने रास्ता पूछने का बहाना बनाया, जबकि दूसरे ने ऑटो चालक के कान पर कट्टानुमा हथियार अड़ा दिया। इसके बाद बदमाशों ने शिक्षिका से पर्स मांगा। मना करने पर छीनाझपटी कर पर्स छीन लिया। ऑटो चालक राजेश धीवर के सिर पर भी चोट लगी। अमलेश्वर थाना पुलिस ने अज्ञात दो आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 96/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 304 में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

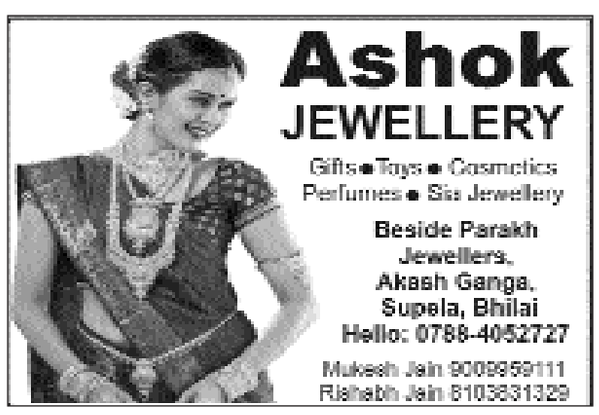

खास खबर

मुख्यमंत्री ने की 'मुस्कुराता बस्तर' पहल की सराहना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कार्टून वॉच के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बस्तर में आयोजित 'मुस्कुराता बस्तर' अभियान के अंतर्गत कार्टून प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी तथा इस अभिनव पहल पर आधारित स्मारिका भी भेंट की। श्री साय ने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि कला समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी माध्यम है। कार्टून केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों को सरल, सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करने की सशक्त विधा है।

रक्षाबंधन पर 10 रुपये में मिलेगा राखी लिफाफा

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर भारतीय डाक विभाग ने बहनों की राखियां समय पर भाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की है। विभाग द्वारा तैयार विशेष राखी लिफाफा छत्तीसगढ़ के सभी प्रधान डाकघरों एवं उपडाकघरों में मात्र 10 रुपये में उपलब्ध कराया गया है। इस लिफाफे के माध्यम से राखी को स्पीड पोस्ट अथवा साधारण डाक से आसानी से भेजा जा सकता है। अधीक्षक डाकघर, रायगढ़ संभाग ने बताया कि राखी डाक के त्वरित निपटान के लिए 1 से 29 अगस्त 2026 तक विशेष पीले रंग की पत्र पेटियां स्थापित की गई हैं। रायगढ़ में ये विशेष पत्र पेटियां प्रधान डाकघर रायगढ़, चक्रधरनगर उपडाकघर, सदर बाजार उपडाकघर तथा कमला नेहरू पार्क में लगाई गई हैं। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी राखी डाक केवल इन पीले रंग की विशेष पत्र पेटियों में ही डालें, ताकि उसका समय पर वितरण सुनिश्चित किया जा सके। लिफाफे पर प्राप्तकर्ता का पूरा पता एवं पिनकोड स्पष्ट और साफ अक्षरों में अंकित करें।

सामाजिक सुरक्षा से आत्मनिर्भरता की राह पर

जरूरतमंदों के लिए संजीवनी बन गया छत्तीसगढ़ का समाज कल्याण मॉडल

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर

रायपुर। भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्पष्ट हो चुका है कि वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन, सुगम अवसर और आत्मनिर्भरताकृये चार स्तंभ किसी भी आधुनिक कल्याणकारी राज्य की पहचान होते हैं। छत्तीसगढ़ ने पिछले ढाई वर्षों में इन्हीं मूल्यों को केंद्र में रखकर समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन प्रस्तुत किया है।

लाखों परिवारों को पेंशन योजनाओं का लाभ

राज्य की पेंशन योजनाएँ आज लाखों परिवारों के लिए आर्थिक संबल बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लाभार्थियों की संख्या 7.10 लाख से बढ़कर 7.56 लाख हो गई है। वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांगजन, सामाजिक सुरक्षा और सुखद सहारा जैसी योजनाओं को मिलाकर 21.73 लाख से अधिक नागरिक नियमित सहायता प्राप्त कर रहे हैं। लगभग 96 प्रतिशत हितग्राहियों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है और आधार सीडिंग का कार्य भी लगभग पूर्ण हो चुका है। ई-केवाईसी आधारित सत्यापन ने अपात्र प्रविष्टियों को हटाकर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वसनीय बनाया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में राज्य ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, विधवा एवं परित्यक्त महिलाओं, उभयलिंगी व्यक्तियों और अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित की हैं, जिन्होंने सामाजिक न्याय को प्रशासनिक प्राथमिकता के रूप में स्थापित किया है। दिसंबर 2023 से जून 2026 के बीच की उपलब्धियाँ इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करती हैं।

यूडीआईडी धारक बढ़े

छत्तीसगढ़ ने दिव्यांगजन कल्याण को दान या सहायता की दृष्टि से नहीं, बल्कि अधिकार और समान अवसर के दृष्टिकोण से आगे बढ़ाया है। विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) धारकों की संख्या 2.44 लाख से बढ़कर 2.77 लाख हो गई है।

कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना में लाभार्थियों की संख्या 1,161 से बढ़कर 17,038 तक पहुँचना राज्य की सक्रिय पहुँच और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। सामर्थ्य विकास योजना के माध्यम से कौशल, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का विस्तार विशेष रूप से उल्लेखनीय है। राज्य छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 14 हजार से अधिक हो गई है। इससे स्पष्ट है कि राज्य शिक्षा को दिव्यांगजन सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम मान रहा है। फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर, स्पेशल पाली क्लिनिक और विशेष विद्यालयों के विस्तार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और पुनर्वास सेवाओं को एकीकृत स्वरूप प्रदान किया है।

वरिष्ठ नागरिकों की सहायता

बढ़ती वृद्धजन आबादी के बीच छत्तीसगढ़ ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए संवेदनशील सहायता तंत्र विकसित किया है। वृद्धाश्रमों, आश्रय गृहों और देखरेख संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ सियान हेल्पलाइन (155326) को प्रभावी सहायता मंच के रूप में विकसित किया गया है।इस हेल्पलाइन पर प्राप्त कॉलों की संख्या 1.14 लाख से बढ़कर 2.87 लाख तक पहुँच गई है। यह केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि बुजुर्ग नागरिकों के बढ़ते विश्वास और प्रशासन की सक्रिय पहुँच का संकेत है।

नशामुक्ति से बदला समाज

समाज कल्याण विभाग ने नशामुक्ति को स्वास्थ्य और सामाजिक पुनर्वास दोनों से जोड़कर देखा है। भारत माता वाहिनी योजना के अंतर्गत संचालित नशामुक्ति केंद्रों की संख्या 11 से बढ़कर 29 हो गई है, जबकि लाभार्थियों की संख्या 1,967 से बढ़कर 5,220 तक पहुँच गई है।

इन केंद्रों में उपचार के साथ परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापन की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे प्रभावित व्यक्तियों को पुन: सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा में लौटने का अवसर मिल रहा है।

संस्थागत विकास

कल्याणकारी योजनाओं की स्थिर सफलता के लिए मजबूत संस्थागत ढाँचा आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने विशेष विद्यालय, माना कैंप रायपुर के भवन निर्माण, दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालयों के उन्नयन, फिजिकल रिहैबिलिटेशन सेंटर के विस्तार, दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के माध्यम से ऋण वितरण तथा नशामुक्ति केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में समाज कल्याण विभाग का बजट 1,512 करोड़ रुपये था, जिसे बढ़ाकर वर्ष 2025-26 में 1,600 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि राज्य सरकार सामाजिक कल्याण को व्यय नहीं, बल्कि मानव पूंजी और सामाजिक स्थिरता में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देख रही है।

डिजिटल प्रशासन

छत्तीसगढ़ मॉडल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहाँ डिजिटल प्रशासन और मानवीय संवेदनशीलता एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य कर रहे हैं। डीबीटी, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, डिजिटल डेटा प्रबंधन और हेल्पलाइन आधारित सहायता प्रणाली ने योजनाओं की दक्षता बढ़ाई है। साथ ही पुनर्वास, परामर्श, आश्रय, सामुदायिक सहयोग और व्यक्तिगत सहायता जैसी सेवाओं को समान महत्व देकर यह सुनिश्चित किया गया है कि तकनीक मानव केंद्रित शासन का माध्यम बने, उसका विकल्प नहीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने यह प्रमाणित किया है कि प्रभावी समाज कल्याण केवल योजनाओं की घोषणा से नहीं, बल्कि संवेदनशील नीति, पारदर्शी क्रियान्वयन और सतत संस्थागत निर्माण से संभव होता है। पिछले ढाई वर्षों की उपलब्धियाँ लाखों वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षित वृद्धावस्था, हजारों दिव्यांगजनों की बढ़ती आत्मनिर्भरता, जरूरतमंद महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा, नशामुक्त जीवन की ओर बढ़ते युवाओं और सम्मानजनक पुनर्वास की नई संभावनाओं का जीवंत दस्तावेज हैं।

छत्तीसगढ़ का यह समावेशी समाज कल्याण मॉडल सामाजिक न्याय, तकनीकी नवाचार और मानवीय गरिमा के संतुलित समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल राज्य की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस विकसित और संवेदनशील भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है, जहाँ हर नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का समान अवसर प्राप्त हो सके।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और एक्सेसिबल इंडिया अभियान

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम और 'एक्सेसिबल इंडिया अभियान' की भावना को आगे बढ़ाते हुए राज्य ने 'सुगम्य छत्तीसगढ़ अभियान' प्रारंभ किया है। सार्वजनिक भवनों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सरकारी परिसरों को दिव्यांग-अनुकूल बनाने की दिशा में व्यवस्थित कार्य किया जा रहा है।यह पहल केवल रैंप या भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन सेवाओं को सभी नागरिकों के लिए सुलभ बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा है। दिव्यांगजनों के अधिकारों की प्रभावी निगरानी के लिए 'आयुक्त राज्य' के नवीन पद की स्वीकृति इस दिशा में दूरदर्शी प्रशासनिक पहल मानी जा रही है।

संघर्ष से मिली सफलता ही रचती है इतिहास

- बलौदाबाजार में 42 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की हुई घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर जिला के तिल्दा विकासखंड के ग्राम बहेसर और तुलसी मार्ग के बीच की दूरी को कम करने वाली नई सड़क के भूमिपूजन अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि जीवन में संघर्ष से मिली सफलता ही इतिहास रचती है। उन्होंने कहा कि अधिकांश महापुरुषों का जीवन कठिनाइयों और संघर्षों से भरा रहा है जो हमें प्रेरणा देते हैं।

एक साधारण परिवार या मजदूर का बच्चा जब मेहनत के बल पर आईएएस या आईपीएस बनता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के विचारों से सीख लेते हुए बिना किसी नकारात्मक प्रतिस्पर्धा के एक-दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मंत्री श्री वर्मा ने क्षेत्रीय जनभावनाओं और बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की सौगात दी। जिसमें बहेसर में साइकिल स्टैंड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये, रंगमंच के समीप ज्योति कलश हेतु 5 लाख रुपये और रघुनंदन वर्मा के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा शामिल है।

इसके साथ ही शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बहेसर के प्राथमिक शाला में दो नए कमरों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा जर्जर हो चुके पूर्व माध्यमिक शाला भवन के पुनर्निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की। उन्होंने विश्वास जताया कि ये सभी कार्य क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा देंगे।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों से पूरे प्रदेश का कायाकल्प हो रहा है। छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक प्राथमिक शाला के शिक्षक के रूप में अपनी सेवा की शुरुआत की थी।

उनका उद्देश्य सत्ता, पैसा या रुतबा हासिल करना कभी नहीं रहा, बल्कि बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र में ऐसे ऐतिहासिक कार्य करना है जिन्हें हमेशा याद रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर काम कर रही है। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को आर्थिक संबल देने का कार्य कर रही है।

जिला चिकित्सालय बालोद में सोनोग्राफी सुविधा जल्द

बालोद। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जिला चिकित्सालय बालोद में भर्ती होने वाले मरीजों को सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय में रेडियोलॉजिस्ट की पदस्थापना होने के पश्चात् शीघ्र ही अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों को सोनोग्राफी के सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिला चिकित्सालय बालोद के सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरके श्रीमाली ने बताया कि जिला चिकित्सालय बालोद में रेडियोलाजिस्ट जिला खनिज संस्थान न्यास मद से पदस्थ थे। शासन के नियमानुसार संविदा पद हेतु चिकित्सक की निर्धारित आयु सीमा 70 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात रेडियोलाजिस्ट की सेवानिवृत्ति के उपरांत वर्तमान में नवीन रेडियोलाजिस्ट की पदस्थापना नही हो पाई है। इस सबंध में आयुक्त सह संचालक संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें नवा रायपुर को मांग पत्र जारी किया गया है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पॉलिटेक्निक एवं सीजीआईटी के प्राचार्यों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तकनीकी शिक्षा विभाग के संचालक हेमंत रमेश नंदनवार ने 5 अगस्त को शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थाओं एवं छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीजीआईटी) के शैक्षणिक स्तर, छात्र प्रवेश, अधोसंरचना विकास तथा विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा बैठक के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों के प्राचार्यों को छात्र प्रवेश क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि एवं संस्थागत विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

संचालक हेमंत रमेश नंदनवार ने इस अवसर पर कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद नवाचार, प्रभावी जनसंपर्क एवं सतत प्रयासों के माध्यम से छात्र प्रवेश क्षमता बढ़ाने वाले संस्थान अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संस्थानों को निरंतर नवाचार एवं उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करना होगा।

संचालक श्री नंदनवार ने प्राचार्यों से संस्थानों में शैक्षणिक गुणवत्ता, कौशल विकास, उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय, आधुनिक प्रयोगशालाओं के प्रभावी उपयोग तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों को सम्मानित करने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा तथा तकनीकी शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार होगा।

सम्मानित प्राचार्यों ने इस सम्मान के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग एवं संचालक श्री नंदनवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

हर गांव में मुक्तिधाम और हर बालिका के लिए स्कूलों में बनेगा शौचालय

'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार प्रदेश के 6,524 गांवों में प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 549 मुक्तिधामों का भी निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10,027 बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में 52.14 करोड़ रुपए की लागत से सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत सभी विकास कार्यों का चयन ग्राम सभा की स्वीकृति से किया जाएगा तथा मजदूरी की दर बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दी गई है। चालू वित्तीय वर्ष में मनरेगा और वीबी-जी राम जी के माध्यम से राज्य को लगभग 6,855 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे, जो ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय निवेश है। भारत सरकार से योजना की प्रथम किस्त के रूप में 1,538 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में किसानों और श्रमिकों दोनों के हितों का संतुलित ध्यान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष में 60 दिनों तक योजना के कार्य बंद रखने का प्रावधान किया गया है, जिससे खेती और रोजगार दोनों प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना में 318 प्रकार के कार्यों को चार प्रमुख श्रेणियों में शामिल किया गया है। इनमें 107 प्रकार के जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्य, 90 प्रकार के ग्रामीण अधोसंरचना विकास कार्य, 86 प्रकार के आजीविका संवर्धन कार्य तथा 35 प्रकार के जलवायु अनुकूलन एवं आपदा प्रबंधन संबंधी कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत ग्रामीण हाट-बाजार, कृषि उपज भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, डेयरी, मत्स्य पालन तथा पशुपालन से संबंधित अधोसंरचना विकसित की जाएगी। वहीं जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन के अंतर्गत बाढ़ एवं चक्रवात आश्रय, ड्रेनेज, तटबंध, जंगलों में आग की रोकथाम तथा प्राकृतिक आपदाओं के बाद पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। वीबी-जी राम जी के क्रियान्वयन की तैयारियों में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। श्रमिकों की 98 प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण कर राज्य देश में प्रथम स्थान पर है।

विश्व स्तनपान सप्ताह : छत्तीसगढ़ में स्थापित होगा पहला 'मातृ दूध कोष'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त 2026) के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का महत्वपूर्ण आकर्षण 'माता यशोदा सम्मान' रहा, जिसके अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित 10 माताओं को सम्मानित किया गया। इन माताओं ने अपने मातृ दुग्ध का दान कर ऐसे नवजात शिशुओं को जीवनदायी सहयोग प्रदान किया, जिन्हें अपनी माताओं का दूध उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। सम्मान समारोह के माध्यम से मातृ दुग्ध दान को एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने का संदेश दिया गया तथा मातृत्व, संवेदनशीलता और मानवता की इस अनूठी मिसाल को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि अमित कटारिया, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, संजीव झा, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ. प्रदीप कुमार पात्रा, कुलपति आयुष विश्वविद्यालय, डा. विवेक चौधरी डीन पंडित जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज ने भाग लिए।

मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, सुरक्षित एवं संपूर्ण आहार है तथा स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला है। उन्होंने मितानिन कार्यक्रम के 25 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मितानिन बहनों ने दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में अतुलनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार माता शबरी ने बिना किसी स्वार्थ के दीन दुखियों, जरूरतमंदों व प्रभु श्रीराम की सेवा की, उसी प्रकार प्रदेश की 72 हजार मितानिन बहनें समाज के गरीब, जरूरतमंद, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की निस्वार्थ सेवा कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950